



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-07092024-256948
CG-DL-E-07092024-256948

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 687]
No. 687]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 3, 2024/ भाद्र 12, 1946
NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 3, 2024/ BHADRA 12, 1946

वास्तुकला परिषद्

(भारत सरकार का एक संवैधानिक प्राधिकरण)

वार्षिक प्रतिवेदन 2023-2024

नई दिल्ली, 18 जून, 2024

फा. सं. सीए/55/2024/वार्षिक प्रतिवेदन.—वास्तुविद अधिनियम 1972 के अधीन स्थापित वास्तुकला परिषद् को 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक प्रतिवेदन और खातों के लेखापरीक्षित विवरण प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। वास्तुकला परिषद् (सीओए) देश में वास्तुकला संस्थानों तथा व्यवसायियों के लिये नियामक प्राधिकरण है और यह राष्ट्रीय आधार पर वास्तुविदों की एक पंजिका अनुरक्षित करती है। शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार परिषद् का केंद्रक मंत्रालय है। सीओए, वास्तुविदों की पंजिका का अनुरक्षण करने के अतिरिक्त विशेषज्ञों की समितियों के माध्यम से निरीक्षण संचालनकारिता के द्वारा अधिनियम के अंतर्गत मान्यताप्राप्त योग्यताओं के मानकों का आवधिक अनुरक्षण भी करती है। विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रतिवेदनों के आधार पर सीओए, संस्थानों द्वारा अनुरक्षित मानकों की अपर्याप्तता के संबंध में संबंधित सरकार को अभ्यावेदन दे सकती है।

प्रोफे. अभय वी. पुरोहित परिषद् के अध्यक्ष तथा वास्तुविद गजानंद राम उपाध्यक्ष हैं। श्री आर. के. ओबराय परिषद् के रजिस्ट्रार तथा श्री दीपक कुमार, प्रशासनिक अधिकारी हैं। अधिनियम तथा इसके अंतर्गत विरचित नियमावलियों के उद्देश्यों को पूर्ण करने के क्रम में, परिषद् ने निम्नलिखित संवैधानिक समितियों का गठन किया है :

- कार्यकारिणी समिति का गठन अधिनियम की धारा 10 के अंतर्गत किया गया है तथा यह परिषद् के कार्यकारी प्राधिकरण के रूप में कार्य करती है।
- अनुशासनपरक समिति का गठन केंद्र सरकार द्वारा बनाये गयी वास्तुकला परिषद् नियमावली 1973 के अनुसार किया गया है। यह समिति वास्तुविदों के खिलाफ शिकायतों तथा व्यावसायिक कदाचार संबंधी आरोपों की जांच करती है तथा वास्तुविदों के कदाचारगत दोष पर निर्णय लेने के लिये परिषद् के पास अपनी संस्तुतियां प्रस्तुत करती है।

- (iii) सलाहकार समिति (अपील) उन आवेदकों की अपील सुनती है, जिनके पंजीकरण हेतु प्राप्त आवेदन रजिष्ट्रार द्वारा अस्वीकार कर दिए जाते हैं।
- (iv) विदेश संबंधी योग्यताओं पर गठित उप-समिति, विदेशी वास्तुकला योग्यताओं की मान्यता हेतु केंद्र सरकार से प्राप्त संदर्भों की जांच करती है।
- (v) जांच समिति, बी.आर्क. पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिये अनुमोदन / अतिरिक्त प्रवेश / नवीन संस्थानों के विस्तार हेतु विद्यमान संस्थानों से प्राप्त होनेवाले प्रस्तावों / आवेदनों की जांच करती है।

परिषद् की 01.04.2023 से लेकर के 31.03.2024 तक संपन्न हुई विभिन्न गतिविधियों के विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत हैं :

1. बैठकें :

परिषद् की बैठकें :

प्रतिवेदनाधीन वाले वर्ष के दौरान परिषद् की दो बैठकें संपन्न हुई थीं, अर्थात् 2 सितंबर 2023 को 80वीं बैठक और 9 दिसंबर 2023 को 81वीं बैठक संपन्न हुई।

कार्यकारी समिति की बैठकें :

प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान कार्यकारी समिति की 10 बैठकें संपन्न हुई थीं, जिनके विवरण निम्नानुसार हैं :

| क्रमांक | बैठक सं. | दिनांक | माध्यम |
|---------|-------------|-----------------|----------|
| 1. | 249वीं बैठक | 28 अप्रैल, 2023 | हाइब्रिड |
| 2. | 250वीं बैठक | 2 जून, 2023 | ऑफलाइन |
| 3. | 251वीं बैठक | 24 जून, 2023 | हाइब्रिड |
| 4. | 252वीं बैठक | 18 अगस्त, 2023 | हाइब्रिड |
| 5. | 253वीं बैठक | 1 सितंबर, 2023 | ऑफलाइन |
| 6. | 254वीं बैठक | 24 नवंबर, 2023 | हाइब्रिड |
| 7. | 255वीं बैठक | 8 दिसंबर 2023 | ऑफलाइन |
| 8. | 256वीं बैठक | 7 जनवरी, 2024 | ऑनलाइन |
| 9. | 257वीं बैठक | 15 फरवरी, 2024 | ऑफलाइन |
| 10. | 258वीं बैठक | 28 मार्च, 2024 | हाइब्रिड |

2. वास्तुविदों का पंजीकरण :

परिषद्, अधिनियम की धारा 25 के तहत उस व्यक्ति को एक वास्तुविद् के रूप में पंजीकृत करती है, जो भारत में निवास करता है अथवा वास्तुविद् का व्यवसाय करता है और जिसके पास वास्तुकला की मान्यताप्राप्त योग्यता है। पंजीकरण करने हेतु आवेदन तथा शुल्क ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन माध्यम से भी जमा किए जा सकते हैं। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान परिषद् ने 13812 योग्य व्यक्तियों को वास्तुविदों के रूप में पंजीकरण प्रदान किया है। इसके साथ ही 31 मार्च 2024 के अनुसार कुल 169897 वास्तुविदों को वास्तुविदों के रूप में पंजीकृत किया जा चुका है। दिनांक 31.03.2024 को वैध पंजीकरण धारक 109283 वास्तुविदों का राज्यवार विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत है :

| क्रमांक | राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के नाम | 01.04.2023 से 31.03.2024 तक की अवधि में पंजीकृत वास्तुविद | 31.03.2024 के अनुसार पंजीकृत कुल वास्तुविद | 31.03.2024 के अनुसार वैध नवीनीकरण के साथ सक्रिय वास्तुविद |
|---------|--------------------------------------|---|--|---|
| 1. | अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह | 01 | 58 | 35 |
| 2. | आंध्र प्रदेश | 298 | 2796 | 1800 |
| 3. | अरुणाचल प्रदेश | 07 | 103 | 69 |
| 4. | असम | 77 | 1112 | 823 |
| 5. | बिहार | 112 | 1372 | 1004 |

| | | | | |
|-----|---------------------|--------------|---------------|---------------|
| 6. | 56 एपीओ | 00 | 02 | 01 |
| 7. | 99 एपीओ | 00 | 01 | 01 |
| 8. | चंडीगढ़ | 34 | 1120 | 658 |
| 9. | छत्तीसगढ़ | 137 | 1541 | 993 |
| 10. | दादरा एवं नगर हवेली | 08 | 44 | 32 |
| 11. | दमन एवं दीव | 04 | 57 | 40 |
| 12. | दिल्ली | 476 | 13703 | 7839 |
| 13. | गोवा | 46 | 1087 | 718 |
| 14. | गुजरात | 802 | 10706 | 6803 |
| 15. | हरियाणा | 373 | 6247 | 4416 |
| 16. | हिमाचल प्रदेश | 94 | 869 | 632 |
| 17. | जम्मू एवं कश्मीर | 56 | 547 | 382 |
| 18. | झारखंड | 54 | 846 | 553 |
| 19. | कर्नाटक | 1168 | 12725 | 7766 |
| 20. | केरल | 1661 | 11084 | 7821 |
| 21. | लद्दाख | 04 | 15 | 14 |
| 22. | लक्षद्वीप | 00 | 05 | 01 |
| 23. | मध्य प्रदेश | 391 | 4756 | 3026 |
| 24. | महाराष्ट्र | 3730 | 45728 | 28978 |
| 25. | मणिपुर | 17 | 192 | 139 |
| 26. | मेघालय | 07 | 201 | 139 |
| 27. | मिजोरम | 27 | 167 | 146 |
| 28. | नागालैंड | 11 | 117 | 71 |
| 29. | ओडिशा | 142 | 1762 | 1194 |
| 30. | पुडुच्चेरी | 45 | 386 | 251 |
| 31. | पंजाब | 227 | 3277 | 2173 |
| 32. | राजस्थान | 231 | 3604 | 2367 |
| 33. | सिक्किम | 15 | 130 | 90 |
| 34. | तमिलनाडु | 1976 | 20735 | 12963 |
| 35. | तेलंगाना | 530 | 6274 | 3896 |
| 36. | त्रिपुरा | 04 | 68 | 46 |
| 37. | उत्तर प्रदेश | 758 | 11607 | 8190 |
| 38. | उत्तराखंड | 73 | 1324 | 931 |
| 39. | पश्चिम बंगाल | 216 | 3529 | 2282 |
| | कुल | 13812 | 169897 | 109283 |

3. वास्तुविदों के पंजीकरण का नवीनीकरण :

अवधि (01.04.2023 से 31.03.2024) के दौरान परिषद् ने वार्षिक आधार पर 29545 वास्तुविदों के पंजीकरण का नवीनीकरण किया है और 8239 वास्तुविदों ने एकमुश्त नवीनीकरण का विकल्प चुना है और 8521 वास्तुविदों ने आवश्यक शुल्क का भुगतान करने के बाद वास्तुविदों की पंजिका में पुनः अपना नामांकन कराया है।

4. वैध पंजीकरण धारक वास्तुविदों को नवीन पंजीकरण प्रमाणपत्र तथा पहचान पत्र जारी करना :
- प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान परिषद् ने निम्न वास्तुविदों को उनके विद्यमान प्रमाणपत्रों के समर्पण के बाद नवीन पंजीकरण प्रमाणपत्र तथा पहचान पत्र निःशुल्क जारी किये हैं :
1. विद्यमान पंजीकृत वास्तुविद : 06506
 2. नवीन पंजीकृत वास्तुविद : 13812
5. वित्तीय वर्ष 2023–2024 का बजट अनुमान :
- परिषद् की कार्यकारिणी समिति ने 28 अप्रैल 2023 को आयोजित अपनी 249वीं बैठक में वित्तीय वर्ष 2023–2024 के बजट अनुमान, रु. 3649.37 लाख की प्राप्य आय के समक्ष रु. 2633.28 लाख के आवर्ती व्यय तथा रु. 1016.00 लाख के अनावर्ती व्यय, को अनुमादित किया।
6. आय कर विभाग, भारत सरकार द्वारा वास्तुकला परिषद् कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि न्यास को मान्यता प्रदान करना :
- परिषद् ने आय कर विभाग, भारत सरकार द्वारा वास्तुकला परिषद् कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि न्यास को मान्यता प्रदान करने के लिये आय कर विभाग के पास अनिवार्य आवेदन/प्रलेख प्रस्तुत किये हैं। इस संबंध में उक्त विभाग के अनुमोदन की प्रतीक्षा की जा रही है।
7. 01.07.2012 से 30.06.2017 तक की समयावधि में वास्तुकला परिषद् द्वारा संग्रहीत सांविधिक शुल्कों एवं प्रभारों पर सेवा कर के अधिरोपण के विरुद्ध परिषद् द्वारा प्रस्तुत अपील :
- परिषद् ने सेवा कर प्रधान आयुक्त, दिल्ली-।। द्वारा निर्गत वित्त अधिनियम 1994 की धारा 75, 76, 77 व 78 के अंतर्गत ब्याज एवं दंड के अतिरिक्त, सेवा कर, शिक्षा उपकर एवं एचएसईसी तथा प्राप्त/प्रदत्त विभिन्न सेवाओं के रूप में रु. 1,73,60,950/- की राशि की मांग के समक्ष रु. 17,36,095/- की एक राशि जमा करके सं. एसटी/53090 ऑफ 2016-डीबी धारक एक अपील दिनांकित 15.12.2016 प्रस्तुत की है।
1. 01.07.2012 से 31.03.2013 की अवधि हेतु रु. 29,01,463/-,
 2. 01.04.2013 से 31.03.2014 की अवधि हेतु रु. 58,41,183/- तथा
 3. 01.04.2014 से 31.03.2015 की अवधि हेतु रु. 86,18,304/-
- इसके अतिरिक्त, परिषद् ने 01.08.2022 को सं. एसटी/5194/2022-सीयू (डीबी) धारक एक अन्य अपील भी प्रस्तुत की है, जिसमें सेवा कर मांग की पूर्व-जमा (अग्रिम) के रूप में रु. 19,03,860/-, अर्थात् कुल मांग का 7.5% और वित्त अधिनियम 1994 की धारा 83 के तहत अनिवार्य पूर्व-जमा, जमा किये गये हैं। वर्षवार सेवा कर मांग नीचे दी गई है :
1. 01-4-2015 से 31-03-2016 की अवधि हेतु रु. 69,16,284/- और
 2. 01-04-2016 से 30-06-2017 की अवधि हेतु रु. 1,84,68,492/-
- सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, प्रधान पीठ, नई दिल्ली के समक्ष अनेक सुनवाईयाँ हुईं। उपर्युक्त अपील के प्रकरणों के संदर्भ में अनेक आदेश न्यायाधिकरण द्वारा सुरक्षित रखे गये हैं। अंतिम देयता, यदि कोई हो, सेवाकर विभाग द्वारा परिषद् के प्रत्युत्तर के अंतिम निस्तारण के समय निर्धारित की जायेगी।
8. वास्तुकला परिषद् कर्मचारी भर्ती एवं पदोन्नति विनियमावली, 1999 में संशोधन :
- परिषद् ने बड़े हुये कार्यभार के निस्तारण के लिये परिषद् में अतिरिक्त पदों के सृजन हेतु वास्तुकला परिषद् कर्मचारी भर्ती एवं पदोन्नति विनियमावली, 1999 में संशोधन करने के लिये शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पास प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। मंत्रालय के अनुमोदन की प्रतीक्षा की जा रही है।
9. वास्तुकला परिषद् के अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष का चयन :
- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष के चुनावों के संचालन हेतु श्री एम. एल. सोनी, निदेशक, उच्चतर शिक्षा भाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को निर्वाचन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है। चुनावों का आयोजन 3 अप्रैल 2023 को किया गया था। प्रोफे. अभय विनायक पुरोहित को वास्तुकला परिषद् का अध्यक्ष तथा वास्तुविद गजानंद राम को उपाध्यक्ष चुना गया था।

10. अकादमिक सत्र 2023–2024 हेतु वास्तुकला संस्थानों का अनुमोदन :

वास्तुकला परिषद् ने अकादमिक सत्र 2023–2024 के दौरान उन 379 संस्थानों के अनुमोदन का विस्तार स्वीकार किया है जो देश में मान्यताप्राप्त वास्तुकला योग्यतायें प्रदान कर रहे हैं। प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान, वास्तुकला स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिये 08 नवीन संस्थानों के अनुमोदन स्वीकृत किये गये थे तथा स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिये 10 विद्यमान संस्थानों के अनुमोदन स्वीकार किये गये थे। संस्थानों की राज्यवार संख्या निम्नानुसार सूचीबद्ध है :

| राज्य | संस्थानों की संख्या |
|------------------|---------------------|
| आंध्र प्रदेश | 8 |
| असम | 2 |
| बिहार | 2 |
| छत्तीसगढ़ | 2 |
| चंडीगढ़ | 1 |
| दिल्ली | 8 |
| गोवा | 1 |
| गुजरात | 22 |
| हिमाचल प्रदेश | 2 |
| हरियाणा | 14 |
| झारखंड | 1 |
| जम्मू एवं कश्मीर | 4 |
| कर्नाटक | 43 |
| केरल | 32 |
| महाराष्ट्र | 83 |
| मेघालय | 1 |
| मध्य प्रदेश | 14 |
| मिजोरम | 1 |
| ओडिशा | 7 |
| पंजाब | 14 |
| पुद्दुचेरी | 1 |
| राजस्थान | 12 |
| तमिलनाडु | 58 |
| तेलंगाना | 13 |
| उत्तराखंड | 3 |
| उत्तर प्रदेश | 22 |
| पश्चिम बंगाल | 8 |
| कुल | 379 |

इसके अतिरिक्त, विगत तीन वर्षों में बी. आर्क. पाठ्यक्रम में 30% से कम सीटें न भरने अथवा परिषद् के अनुमोदन हेतु आवेदन जमा न करने कारण, अकादमिक सत्र 2023–2024 के दौरान 39 संस्थानों को बंद करने के निर्देश दिये गये थे।

11. वास्तुकला सहायकवृत्ति (आर्किटेक्चरल एसिसटेंटशिप) में तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम(मों) के अनुमोदन की स्वीकृति :

अकादमिक सत्र 2023–2024 के दौरान, परिषद् ने वास्तुकला/वास्तुकला सहायकवृत्ति में 3 वर्षीय डिप्लोमा एवं आंतरिक अभिकल्पना में डिप्लोमा प्रदान करने के लिये 16 नवीन डिप्लोमा संस्थानों का अनुमोदन तथा 80 संस्थानों का अनुमोदन विस्तार स्वीकृत किया है। इसके अतिरिक्त, परिषद् ने वास्तुकला/वास्तुकला सहायकवृत्ति में 3 वर्षीय डिप्लोमा तथा आंतरिक अभिकल्पना में डिप्लोमा आरंभ करने के लिये 40 विद्यमान बी. आर्क. संस्थानों का अनुमोदन स्वीकृत किया है।

12. अकादमिक सत्र 2023-2024 हेतु पांच वर्षीय बी. आर्क. उपाधि पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेशार्थ वास्तुकला में राष्ट्रीय अभिक्षमता परीक्षा का संचालन : परिषद्, 5-वर्षीय बी. आर्क. पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेशार्थ एक एकल खिड़की परीक्षा के रूप में, प्रति वर्ष वास्तुकला में राष्ट्रीय अभिक्षमता परीक्षा (नाटा) संचालित कर रही है। नाटा 2023 का वर्ष 2023 में चार बार संचालन किया गया था। प्रथम परीक्षा का संचालन 21.04.2023 को, द्वितीय परीक्षा का संचालन 03.06.2023 को, तृतीय परीक्षा का संचालन 09.07.2023 को तथा चतुर्थ परीक्षा का संचालन 17.09.2023 को किया गया था। कुल 29539 विशिष्ट अभ्यर्थियों ने परीक्षा के लिये पंजीकरण कराया तथा 22234 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित हुये। कुल उपस्थित अभ्यर्थियों में से 21003 विशिष्ट अभ्यर्थियों ने नाटा परीक्षा उत्तीर्ण की।

13. ओम मुकुंदराव नगरकर के विरुद्ध आईपीसी के प्रासंगिक प्रावधानों के अंतर्गत एफआईआर का पंजीकरण :

परिषद् को श्री ओम मुकुंदराव नगरकर से समस्त आवश्यक प्रलेखों (स्व-प्रमाणित) के साथ एक आवेदन दिनांकित 13.12.2020 प्राप्त हुआ था तथा तदनुसार उन्हें पंजीकरण सं. सीए/2020/126097 स्वीकृत किया गया था तथा श्री ओम नगरकर को 22.12.2020 को पंजीकरण स्वीकृति के बारे में ईमेल के माध्यम से सिस्टम द्वारा उत्पन्न सूचना भी प्रेषित की गई थी।

दिनांक 29 दिसंबर 2020 को रजिस्ट्रार, सीओए को वास्तुविद अरशद शेख, अध्यक्ष, आईआईए, अहमदनगर केंद्र की ओर से श्री ओम मुकुंदराव नगरकर के विरुद्ध एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें यह उल्लेख था कि उन्होंने 2006 में अहमदनगर में स्थित एक स्वायत्तशासी संस्थान से इंटीरियर में दो वर्षीय पोस्ट मेट्रिक डिप्लोमा किया हुआ था। तदावधि से वह अहमदनगर में आंतरिक अभिकल्पक (इंटीरियर डिजाइनर) के रूप में व्यवसायरत हैं। यह भी सूचित किया गया था कि श्री ओम मुकुंदराव नगरकर ने किसी भी वास्तुकला महाविद्यालय में वास्तुकला शिक्षा प्राप्त नहीं की है तथा अतः वह एक वास्तुविद के रूप में पंजीकरण हेतु योग्य नहीं हैं। परिषद् द्वारा पंजीकरण प्रमाणपत्र रोक दिया गया था तथा श्री ओम मुकुंदराव नगरकर को परिषद् के पास सत्यापनार्थ मूल प्रलेख प्रस्तुत करने को कहा गया था। हालाँकि उनके द्वारा कोई जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई। परिषद् ने श्री ओम नगरकर द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रलेख रजिस्ट्रार, शिवाजी महाविद्यालय, कोल्हापुर को इस अनुरोध के साथ अग्रसारित कर दिये थे कि वे उसके द्वारा प्रस्तुत प्रलेखों की अभ्यर्थिता तथा प्रामाणिकता का सत्यापन करें। परिषद् ने प्रिंसिपल, श्री वी. बी. पाटिल ट्रस्ट के अप्पासाहेब बिरनाले वास्तुकला महाविद्यालय, संगली, महाराष्ट्र को भी उनके सत्यापनार्थ प्रलेख अग्रसारित किये थे। प्रिंसिपल, श्री वी. बी. पाटिल ट्रस्ट के अप्पासाहेब बिरनाले वास्तुकला महाविद्यालय, संगली ने पत्र दिनांकित 27.03.2021 के माध्यम से परिषद् को सूचित किया था कि ओम मुकुंदराव नगरकर शिवाजी महाविद्यालय, कोल्हापुर के एक वास्तविक विद्यार्थी नहीं हैं। परिषद् ने श्री ओम नगरकर के विरुद्ध लोधी कॉलोनी पुलिस स्टेशन, नई दिल्ली में एफआईआर प्रस्तुत करने का निर्णय लिया क्योंकि उन्होंने धोखाधड़ी से, त्रुटिपूर्ण प्रस्तुति द्वारा तथा वास्तविक तथ्यों को गुप्त रखकर भारत सरकार का एक संवैधानिक प्राधिकरण के पास अनुचित / नकली प्रलेखों की स्व-प्रमाणित प्रतियाँ प्रस्तुत करके परिषद् से पंजीकरण प्राप्त किया है।

लेकिन परिषद् द्वारा बारंबार किये गये अनुरोधों के उपरांत भी, एसएचओ लोधी कॉलोनी पुलिस कार्यालय ने प्रकरण में एफआईआर (प्राथमिक शिकायत) पंजीकृत नहीं की गई। परिषद् ने ओम मुकुंदराव नगरकर के विरुद्ध सीआर. पी. सी. की धारा 156(3) के अंतर्गत एफआईआर के पंजीकरण हेतु निर्देश निर्गतार्थ सक्षम न्यायालय के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया। माननीय महानगरीय न्यायाधिकारी, साकेत न्यायालय, नई दिल्ली ने आदेश दिनांकित 06.02.2023 के माध्यम से एस.एच.ओ. लोधी कॉलोनी, पुलिस स्टेशन को निर्देश दिया कि वे आदेश की तिथि से पाँच सप्ताहों की समयावधि में विधि के प्रासंगिक प्रावधानों के अंतर्गत एफआईआर पंजीकृत करें। इसके बाद अब इस प्रकरण में एफआईआर पंजीकरण करके कार्रवाई की जा रही है।

14. केंद्र सरकार तथा वास्तुकला परिषद् के सदस्यों एवं अधिकारियों की मानहानि करने व उन्हें अपशब्द कहने के लिये हरीश के. बजाज के विरुद्ध कार्रवाई : परिषद् के सदस्यों, केंद्र सरकार तथा परिषद् के अधिकारियों को हरीश के. बजाज की ओर से अपशब्दों व असंसदीय भाषा युक्त ईमेल्स एवं आरटीआई आवेदन प्राप्त हो रहे थे। उन्हें ऐसा असंसदीय एवं मानहानिजनक संचार करने से रोकने हेतु परिषद् के अधिवक्ता द्वारा विधिक सूचना भी निर्गत की गयी थी। लेकिन हरीश के. बजाज ऐसी सूचना भेजे जाने के बाद भी अपनी अवैध गतिविधियाँ करते रहे। इसके बाद परिषद् ने हरीश के. बजाज के विरुद्ध एफआईआर पंजीकृत करने के लिये पुलिस आयुक्त तथा एसएचओ, लोधी कॉलोनी पुलिस कार्यालय के पास इस संदर्भ में एक शिकायत प्रस्तुत की। परंतु दिल्ली पुलिस द्वारा उनके विरुद्ध कोई भी कार्रवाई नहीं की गयी। परिषद् ने उनके विरुद्ध निषेधाज्ञा एवं आपराधिक मानहानि का एक वाद प्रस्तुत किया। माननीय न्यायालय ने परिषद् के पक्ष में निर्णय किया तथा श्री हरीश के. बजाज पर परिषद् के कार्यालय में जाने अथवा परिषद् के सदस्यों एवं मंत्रालय व परिषद् के अधिकारियों को कोई भी मानहानिजनक संचार भेजने के लिये प्रतिबंध लगा दिया।

15. समस्त राष्ट्रीय राजमार्गों की सीमा-दीवारों का अभिकल्पना (डिजाइन) / सौंदर्यीकरण हेतु एनएचएआई की अभिकल्पना विचार प्रतियोगिता :
- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने भारत में समस्त राष्ट्रीय राजमार्गों की सीमा-दीवारों की अभिकल्पना (डिजाइन)/सौंदर्यीकरण हेतु एक विचार अभिकल्पना प्रतियोगिता की घोषणा की है। परिषद् द्वारा प्रतियोगिता का संचालन अपने "सामर्थ्य" पोर्टल पर किया गया था। निर्णायक-मंडल (जूरी) का प्रतिवेदन/संस्तुतियाँ एनएचएआई को प्रेषित कर दी गयी हैं।
16. एनएचएआई द्वारा धौला कुँआ मार्ग, नई दिल्ली पर प्रतिष्ठित संरचना हेतु की अभिकल्पना (डिजाइन) विचार प्रतियोगिता:
- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने धौला कुँआ मार्ग, नई दिल्ली पर प्रतिष्ठित संरचना हेतु की अभिकल्पना (डिजाइन) विचार प्रतियोगिता की घोषणा की है। परिषद् द्वारा प्रतियोगिता का संचालन अपने "सामर्थ्य" पोर्टल पर किया गया था। निर्णायक-मंडल (जूरी) का प्रतिवेदन/संस्तुतियाँ एनएचएआई को प्रेषित कर दी गयी हैं।
17. आवासन एवं नगर कार्य मंत्रालय, भारतीय शासन की ओर से वास्तुकला परिषद् द्वारा स्वच्छ भारत मिशन 2.0-अर्बन के अंतर्गत संचालित "टॉयलेट्स" हेतु अभिकल्पना (डिजाइन) विचार प्रतियोगिता :
- परिषद् ने आवासन एवं नगर कार्य मंत्रालय, भारतीय शासन की ओर से स्वच्छ भारत मिशन 2.0-अर्बन के अंतर्गत "टॉयलेट्स" हेतु अभिकल्पना (डिजाइन) विचार प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक संचालन किया है। विजेताओं को मंत्रालय द्वारा वास्तुकला परिषद् के माध्यम से पुरस्कारिक धनराशि अर्पित की गयी है।
18. परिषद् द्वारा विभिन्न समस्याओं पर अनेक राज्य शासनों/स्थानीय प्राधिकरणों को प्रेषित सूचना-संचार :
- प्रतिवेदनाधीन वर्ष की समयावधि में, वास्तुविदों से अभ्यावेदनों की प्राप्ति पर परिषद् ने स्थानीय निकायों द्वारा वास्तुकला का व्यवसाय करने के लिये वास्तुविदों के पंजीकरण तथा वास्तुकला पदों पर अ-वास्तुविदों की नियुक्ति, इत्यादि से संबंधित समस्याओं पर निम्नलिखित प्राधिकरणों को लिखित में सूचित किया है। समस्याओं के विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत हैं :

| क्र.सं. | प्राधिकरण | विषय/समस्या |
|---------|--|---|
| 1. | मुख्य सचिव, केरल सरकार | ऑनलाइन पोर्टल पर वास्तुविदों का पंजीकरण/अनुज्ञाप्तिकरण (लाइसेंसिंग) |
| 2. | मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग गुजरात सरकार | ऑनलाइन पोर्टल पर वास्तुविदों का पंजीकरण/अनुज्ञाप्तिकरण (लाइसेंसिंग) |
| 3. | समस्त मुख्य सचिवों को | मुख्य वास्तुविद, लोनिवि के कार्यालय में भर्ती नियमावली में संशोधन |
| 4. | मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार तथा आयुक्त, शिमला नगर निगम | पीआईओ सह वास्तुविद नियोजक, एम. सी. शिमला के पद पर अ-वास्तुविद की नियुक्ति |
| 5. | माननीय मुख्यमंत्री, तेलंगाना सरकार को पत्र | तेलंगाना राज्य भवन में भवन निर्माण हेतु स्वामियों द्वारा स्व-प्रमाणन का अनुमति अनुमोदन |
| 6. | इटली का दूतावास, नई दिल्ली | इटली में अभ्यास करने के लिये अनुज्ञाप्ति (लाइसेंस) निर्गतनार्थ एक वास्तुविद के रूप में पंजीकरण की अमान्यता। |

19. परिषद् द्वारा वास्तुविदों के चयन/नियुक्ति पर विभिन्न शासकीय विभागों/उपक्रमों को प्रेषित सूचना-संचार :
- परिषद् ने, वास्तुकला परिषद् के प्रतिस्पष्टी दिशानिर्देशों के अनुसार तथा परिषद् द्वारा निर्धारितानुसार शुल्कों के भुगतान पर वास्तुविद नियुक्त करने हेतु अनेक सार्वजनिक प्राधिकरणों को लिखा है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष की समयावधि में, परिषद् ने निम्नलिखित संगठनों से वास्तुविदों के चयन/नियुक्ति के लिये परिषद् के प्रतिमानकों का अनुसरण करने का अनुरोध किया है :
- हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड
 - एनबीसीसी इंडिया लिमिटेड, चेन्नई तथा पुडुचेरी सरकार के शासकीय सचिव
 - इंडियन ओवरसीज बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी
 - तमिलनाडु शासन
 - महाराष्ट्र इकोटूरिज्म विकास बोर्ड
 - मुख्य सचिव, महाराष्ट्र सरकार
 - मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार

8. इंदौर स्मार्ट सिटी कार्यालय, इंदौर
 9. मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार
 10. उत्तर प्रदेश राज्य मार्ग परिवहन निगम, लखनऊ
 11. मुख्य सचिव, उत्तराखंड शासन (उत्तराखंड वन विभाग), उत्तराखंड सरकार
 12. नांदेड़ वाघला सिटी नगर निगम तथा जनपदाधिकारी का कार्यालय, वजीराबाद, नांदेड़
 13. जनपदाधिकारी, यवतमाल तथा नगर परिषद् यवतमाल
 14. जनपदाधिकारी तथा मजिस्ट्रेट कलेक्टर कार्यालय, हिंगोली तथा नगर परिषद् कार्यालय
 15. कार्यपालक अभियंता लोनिवि (आर एंड बी) प्रभाग, उधमपुर का कार्यालय
 16. स्लम पुनर्वास प्राधिकरण, पुणे
 17. कार्विन डिजाइन कंसल्टेंट्स, मदुरै
 18. राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड, कैसल हिल्स, हैदराबाद
 19. मुख्य सचिव, महाराष्ट्र सरकार
 20. हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, शिमला
 21. इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
 22. मैसर्स एचएलएल इफ्रा टेक सर्विसेज लिमिटेड
 23. सहायक महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, कोटि, हैदराबाद
 24. उत्तर प्रदेश शासन तथा आगरा विकास प्राधिकरण
 25. यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड, उत्तर प्रदेश शासन
 26. मुख्य सचिव, महाराष्ट्र सरकार
 27. कार्यपालक अभियंता, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण, मुंबई
 28. उत्तराखंड पेयजल निगम
 29. मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार तथा जोधपुर विकास प्राधिकरण
 30. मुख्य सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार
 31. मुख्य सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार
 32. उप सचिव (एनआईटी/सीओए/एसपीए), उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
 33. नगर एवं राष्ट्र नियोजन विभाग, देहरादून, उत्तराखंड
 34. धोलेरा इंडस्ट्री सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड, गांधी नगर, गुजरात
 35. मुख्य सचिव, पश्चिम बंगाल शासन तथा राष्ट्रीय परियोजना निर्माण निगम लिमिटेड
 36. औरंगाबाद आवासन एवं क्षेत्रीय विकास बोर्ड, कलानगर
 37. झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड
 38. एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड, लोधी रोड, नई दिल्ली
 39. मार्ग तथा भवन विभाग, तेलंगाना सरकार
 40. नगर नियोजक संस्थान, नई दिल्ली
20. वास्तुविद अधिनियम 1972 में संशोधन : परिषद् ने वास्तुविद अधिनियम 1972 की धारा 37 में संशोधन के लिये केंद्रीय शासन के पास एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, जिसका उद्देश्य अयोग्य एवं अप्रशिक्षित व्यक्तियों को वास्तुकला का अभ्यास करने से प्रतिबंधित करना है। अध्यक्ष, सीओए ने प्रस्तावित संशोधनों पर अग्रक्रम करने के लिये माननीय शिक्षा मंत्री से भी भेंट की है। इसके अतिरिक्त, परिषद् ने अपनी 79वीं (आकस्मिक) बैठक में, वास्तुविद अधिनियम 1972 में व्यापक संशोधन करने हेतु निम्न प्रस्ताव अनुमोदित किया है:
- i) "वास्तुकला सेवाओं" की परिभाषा का परिचय ताकि इन सेवाओं को वास्तुविदों हेतु आरक्षित किया जा सके;
 - ii) स्वतंत्र रूप में अभ्यास करने के लिये व्यवसाय में प्रवेश करनेवाले वास्तुविदों की योग्यतायें सुनिश्चित करने व्यावसायिक अभ्यास परीक्षा का आरंभ;
 - iii) वास्तुविदों को व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक दायित्व से बचाने तथा एक पृथक विधिक निकाय के साथ संगठन का न्यून जटिल स्वरूप अपनाने के लिये, वास्तुविदों द्वारा वास्तुकला सेवायें उपलब्ध कराने हेतु संगठन के एलएल.पी. फॉर्म का आरंभ;

- iv) मान्यताप्राप्त योग्यता के लिये दो अनुसूचियों का आरंभ—एक, पूर्वस्नातक योग्यताओं के लिये तथा द्वितीय, स्नातकोत्तर योग्यताओं के लिये, ताकि एक वास्तुविद के रूप में पंजीकरण हेतु आवश्यक योग्यता तथा अतिरिक्त योग्यताओं में अंतर किया जा सके और पीजी योग्यताओं को अधिनियम के अंतर्गत मान्य किया जा सके;
- v) वास्तुकला परिषद् के नाम में "इंडिया" शब्द का उल्लेख आरंभ करना, ताकि परिषद् को एक राष्ट्रीय स्तर की पहचान प्राप्त हो सके।
- vi) अधिमात्रा में आंकड़ा की सुरक्षा एवं आर्थिक संरक्षण के लिये तथा सभी संबंधित व्यक्तियों / संस्थानों तक इसकी सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु वास्तुविदों की पंजीका की "इलेक्ट्रॉनिक" प्रतियां अनुरक्षित करने के लिये।
- vii) यह सुनिश्चित करने के लिये कि सार्वजनिक भवनों का निर्माण अत्यधिक सौंदर्यपरक एवं कार्यगत विधि से पूर्णरूपेण व्यावसायिक सहयोग के साथ किया जाता है, शासकीय विभागों में वास्तुकला पदों पर केवल एक वास्तुविद की नियुक्ति।
- viii) अ-वास्तुविदों द्वारा वास्तुकला सेवायें उपलब्ध कराने पर प्रतिबंध लगाना।
- ix) स्थानीय निकायों द्वारा वास्तुविदों के भावी पंजीकरण पर प्रतिबंध लगाना, ताकि वास्तुविदों को व्यवसाय के अभ्यास हेतु प्रत्येक स्थानीय निकाय में पंजीकरण कराने के लिये विवश न होना पड़े।
- x) वास्तुविदों के विरुद्ध व्यावसायिक कदाचार हेतु प्रस्तुत शिकायतों पर परिषद् द्वारा शुल्क प्रभारीकरण के प्रावधान बनाना।
21. अकादमिक सत्र 2023-2024 के बी.आर्क. पाठ्यक्रम में प्रवेशार्थ योग्यता मानदंड में संशोधन :
- परिषद् ने केंद्रीय शासन के अनुमोदन द्वारा वास्तुकला परिषद् (वास्तुशिक्षा के न्यूनतम मानक) नियमावली 2020 के अंतर्गत बी.आर्क. पाठ्यक्रम में प्रवेशार्थ निर्धारित योग्यता में संशोधन किया है, जो निम्नानुसार संशोधित है :
- 4(1) "किसी भी अभ्यर्थी को वास्तुकला पाठ्यक्रम में तब तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा जब तक कि उसने भौतिकी तथा गणित जैसे अनिवार्य विषयों के साथ तथा या तो रसायन विज्ञान या जीव विज्ञान या तकनीकी व्यावसायिक विषय या कंप्यूटर विज्ञान या सूचना प्रौद्योगिकी या सूचनागत अभ्यास या इंजीनियरिंग ग्राफिक्स या व्यावसायिक अध्ययन सहित न्यूनतम 45% अंकों के साथ 10 + 2 या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण न की हो अथवा न्यूनतम कुल 45% अंकों के साथ गणित जैसे अनिवार्य विषय के रूप में 10 + 3 डिप्लोमा परीक्षा उत्तीर्ण न की हो।"
- (2) "अभ्यर्थी को एनटीए (अर्थात् जेईई या वास्तुकला परिषद् द्वारा आयोजित एनएटीए) द्वारा आयोजित वास्तुकला में किसी अभिक्षमता परीक्षा को उत्तीर्ण करना होगा।"
22. व्यावसायिक कदाचार की शिकायतें : वास्तुविद अधिनियम 1972 की धारा 22 एवं 30, परिषद् को व्यावसायिक कदाचार के लिये वास्तुविदों के विरुद्ध कार्रवाई करने का अधिकार देती है। केंद्र सरकार ने ऐसी शिकायतों को निपटाने हेतु निर्धारित की गई प्रक्रियाएँ वास्तुकला परिषद् नियमावली 1973 में बनाई है। प्रतिवेदनाधीन समयावधि में परिषद् ने वास्तुविदों के विरुद्ध 35 नवीन शिकायतें प्राप्त कीं। वास्तुकला परिषद् नियमावली 1973 के अनुसरण में, केंद्रीय शासन ने परिषद् द्वारा संदर्भितानुसार कथित व्यावसायिक कदाचार के लिये वास्तुविदों के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की जांच करने हेतु गजट अधिसूचना द्वारा समय-समय पर अनुशासनपरक समिति का गठन किया है। समिति की सदस्यता में एक रिक्ति के कारण अनुशासनपरक समिति की कोई भी बैठक नहीं की जा सकी है। केंद्र सरकार, अनुशासनपरक समिति की पुनर्स्थापना करने के लिये समुचित अधिसूचना निर्गत करने की प्रक्रिया में है। अधिनियम की धारा 30 के प्रावधानों के अनुसरण में, परिषद् ने 02-09-2023 को आयोजित अपनी 80वीं बैठक में, सुनवाई का अवसर देने के बाद, निम्नलिखित आदेश पारित किये :
1. वास्तुविद सुहास महंत, मुंबई - 6 माह की एकावधि के लिए एक वास्तुविद के रूप में अभ्यास करने से निलंबित। 2. वास्तुविद सुरेंद्र सिंह, गाजियाबाद - 12 माह की एकावधि के लिए एक वास्तुविद के रूप में अभ्यास करने से निलंबित।
23. विदेशी योग्यताओं की मान्यता पर समिति : वास्तुविद अधिनियम 1972 की धारा 15 के अनुसरण में, केंद्र सरकार वास्तुविद अधिनियम 1972 के उद्देश्यों हेतु वास्तुकला परिषद् के साथ परामर्श करने के बाद विदेशी वास्तुकला योग्यताओं को मान्यता प्रदान करने के लिये सशक्त है। परिषद् ने केंद्र सरकार से प्राप्त संदर्भों पर विचार करने तथा इनका प्रतिवेदन बनाने के लिये एक समिति गठित की है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष की समयावधि में, परिषद् को वास्तुविद अधिनियम के अंतर्गत विदेशी वास्तुकला योग्यताओं की मान्यता पर परिषद् से परामर्शन करने हेतु 04 नवीन संदर्भ प्राप्त हुये हैं। इसके बाद, समिति की 02 बार बैठकें हुईं तथा इसने केंद्र सरकार से प्राप्त प्रकरणों पर विचार-विमर्श किया तथा अपना पूर्ण प्रतिवेदन परिषद् के समक्ष प्रस्तुत किया।

24. वास्तुविदों के रूप में मिथ्या प्रस्तुतिकरण करनेवाले मिथ्या-वास्तुविदों (क्वैक्स) के विरुद्ध शिकायतें : वास्तुविद अधिनियम 1972 की धारा 36 एवं 37, वास्तुविद के नाम एवं शैली के दुरुपयोग पर प्रतिबंध लगाती हैं तथा यदि कोई व्यक्ति वास्तुविद के नाम एवं शैली का दुरुपयोग करता है अथवा स्वयं को एक वास्तुविद के रूप में अवैध ढंग से प्रस्तुत करता है, तो उस पर इस अपराध के लिये रु. 500/- का अर्थदंड लगाया जायेगा। प्रतिवेदनाधीन समयावधि में, परिषद् को 81 ऐसी शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें अ-वास्तुविदों द्वारा वास्तुविद अधिनियम 1972 के प्रावधानों का उल्लंघन किया गया था तथा प्रकरण में परिषद् द्वारा समुचित कार्रवाई की गई है।
25. आरटीआई अधिनियम के अंतर्गत सूचना का संप्रेषण :
आरटीआई अधिनियम 2005 के प्रावधानों के अनुसरण में, श्री दीपक कुमार, प्रशासनिक अधिकारी, परिषद् में जन सूचना अधिकारी हैं तथा श्री राज कुमार ओबराय, रजिस्ट्रार, परिषद् में प्रथम अपीलीय प्राधिकारी हैं। प्रतिवेदनाधीन समयावधि में, परिषद् ने 108 आरटीआई आवेदनों के संदर्भ में जानकारी उपलब्ध कराई तथा आरटीआई अधिनियम के अनुसार 14 प्रथम अपीलों का समाधान किया। परिषद् ने आरटीआई आवेदनों तथा उत्तरवर्ती अपीलों की संख्या घटाने के लिये पब्लिक डोमेन में अधिक से अधिक जानकारी प्रसारित करने के प्रयास किये हैं।
26. न्यायालयी प्रकरण :
प्रतिवेदनाधीन समयावधि में, परिषद् ने वास्तुविद अधिनियम 1972 के प्रावधानों तथा उसके अंतर्गत विरचित विनियमावली के अनुरूप निम्नलिखित नवीन न्यायालयी प्रकरणों का प्रबंधन किया गया था :

| क्र.सं. | नाम | न्यायालय | विचारित समस्या | वर्तमान स्थिति |
|---------|--|--|--|----------------------------------|
| 1 | 1. सिविल अपीलीय क्षेत्राधिकार एसएलपी (सिविल) संख्या 002230 ऑफ 2023 डायरी संख्या 1085 रजिस्ट्रार, वास्तुकला परिषद् विरुद्ध पलक दीक्षित और अन्य | भारत का सर्वोच्च न्यायालय | बी. आर्क. पाठ्यक्रम में विलंबित प्रवेश | निस्तारित |
| 2 | 2. डोबरिया मोहित रमणिकल विरुद्ध भारतीय संघ एवं अन्य के प्रकरण में रिट याचिका सिविल संख्या 4100 ऑफ 2023 | दिल्ली उच्च न्यायालय, नई दिल्ली | विदेशी पीजी वातुकला उपाधि पाठ्यक्रम की मान्यता | लंबित |
| 3 | 3. रिट याचिका संख्या 3936 ऑफ 2023 स्टूडेंट्स एकेडमिक एजुकेशन सोसायटी विरुद्ध महाराष्ट्र राज्य और अन्य | उच्च न्यायालय, बॉम्बे | स्थल परिवर्तन और नई बिल्डिंग में महाविद्यालय आरंभ करने के संबंध में | निस्तारित |
| 4 | सोहन लाल सहारन विरुद्ध प्रशासक चंडीगढ़ प्रशासन केंद्रीय प्रशासनिक, अधिकरण, चंडीगढ़ पीठ ओए संख्या 0060/368/2023 | केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण, चंडीगढ़ पीठ | याचिकादाता की पदोन्नति अस्वीकार | लंबित |
| 5 | हरीश बजाज विरुद्ध वास्तुकला परिषद् शिकायत प्रकरण सं. — ऑफ 2023 स्थायी एवं अनिवार्य निषेधाज्ञा के लिये वाद | साकेत न्यायालय, दिल्ली | प्रतिवादी को परिषद् के सदस्यों को अपमानित करने से रोकने हेतु | अगला न्यायविमर्श 9 जुलाई 2024 को |
| 6 | रिट याचिका संख्या : 13546 ऑफ 2023, और डब्ल्यू.पी. संख्या 13546 ऑफ 2023, जोसेफ श्रीहर्षा और मैरी इंद्रजा एजुकेशनल सोसाइटी विरुद्ध यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य | उच्च न्यायालय, आंध्र प्रदेश, अमरावती | यूजीसी द्वारा विश्वविद्यालय को मानित करने की स्थिति के संबंध में | लंबित |
| 7 | साल स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर विरुद्ध पियाम जिग्नेश दवे एलपीए 8052/2023 | गुजरात उच्च न्यायालय | बी. आर्क. पाठ्यक्रम करने अन्य संस्थान में स्थानांतरण और पूर्व संस्थान द्वारा पूर्ण शुल्क लेने के संबंध में | लंबित |

| | | | | |
|----|--|------------------------------------|--|-----------|
| 8 | श्री सिद्धी ज्ञान साई अक्षय पुत्र सूर्य प्रकाश विरुद्ध वोक्सन यूनिवर्सिटी और अन्य, रिट याचिका संख्या 12373 ऑफ 2023 | उच्च न्यायालय, हैदराबाद तेलंगाना | याचिकादाता को निष्कासित करना | निस्तारित |
| 9 | डब्ल्यू.ए. सं. 150/2023 इनामुल हसन विरुद्ध वास्तुकला परिषद्, अन्य | उच्च न्यायालय, गुवाहाटी, असम | वास्तुकला पाठ्यक्रम चलाने के लिये परिषद् में धरोहर राशि जमा करने के संबंध में | निस्तारित |
| 10 | डब्ल्यू.पी. संख्या 18127 ऑफ 2023 पंडित द्वारका प्रसाद मिश्रा विरुद्ध वास्तुकला परिषद् | उच्च न्यायालय, मध्य प्रदेश, जबलपुर | विश्वविद्यालय और वास्तुविद के मध्य उत्पन्न विवादों के न्यायनिर्णयन हेतु मध्यस्थ की नियुक्ति के संबंध में | लंबित |
| 11 | डब्ल्यू.पी. संख्या 16693/2023 शरण देसाई विरुद्ध प्रधान सचिव, शासन, उच्चतर शिक्षा विभाग, बेंगलुरु और अन्य | उच्च न्यायालय, कर्नाटक, बेंगलुरु | याचिकादाता को वृंदावन महाविद्यालय, बेंगलुरु में प्रिंसिपल के पद से हटाना | लंबित |
| 12 | सुश्री भव्या सोलंकी विरुद्ध गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और अन्य डब्ल्यूपी (सी) 13711 ऑफ 2023 | उच्च न्यायालय, दिल्ली, नई दिल्ली | आई.पी. विश्वविद्यालय द्वारा याचिकादाता को परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति देने से मना करना | निस्तारित |
| 13 | मनसरन जी विरुद्ध भारतीय संघ एवं अन्य डब्ल्यूपी (सी) संख्या 43682 वर्ष 2023 | उच्च न्यायालय, केरल | बी. आर्क. पाठ्यक्रम में प्रवेश की पात्रता | लंबित |
| 14 | डब्ल्यू.पी. संख्या 27908 वर्ष 2023 (एस-आरईएस) शरण देसाई, एम. आर्क., यूएसए विरुद्ध प्रधान सचिव, शासन, उच्चतर शिक्षा विभाग, बेंगलुरु और अन्य | उच्च न्यायालय, कर्नाटक, बेंगलुरु | याचिकादाता को प्रधानाचार्य के पद से हटाने के राज्य सरकार के निर्णय को यथावत रखने को चुनौती देना | लंबित |

परिषद् ने वास्तुविद अधिनियम 1972 के उल्लंघन के लगभग कुल 80 प्रकरण फालबद्ध किये, जिनमें आपराधिक शिकायतें सम्मिलित हैं, तथा जो विधि-व्यवस्था के अनेक न्यायालयों में लंबित हैं।

27. वास्तुविद अधिनियम 1972 की धारा 3(3)(एफ) के अंतर्गत परिषद् के एक सदस्य के नामांकन हेतु मानदंड स्थापित करना :

माननीय कर्नाटक उच्च न्यायालय ने, 2021 की समादेश याचिका सं. 16114 में अपने आदेश दिनांकित 08.01.2023 से अनुच्छेद 16 (iii) में निम्नानुसार आदेशित किया है :-

“भारतीय संघ, नियमावली के अंतर्गत योग्यता एवं अनुभव के आधार पर परिषद् के सदस्यों के नामांकन हेतु निश्चित मानदंड अधिसूचित करने के उपक्रम करेगा, जो कि जितना शीघ्र हो सके प्रत्येक राज्य के शासन के लिये बाध्यकारी होंगे।”

परिषद् ने इस प्रकरण में शिक्षा मंत्रालय के समक्ष अपने सुझाव भी प्रस्तुत किये हैं तथा वास्तुकला परिषद् नियमावली 1973 में समुचित संशोधन किये जाने शेष हैं।

28. बी. आर्क. पाठ्यक्रम में जलवायु परिवर्तन के विषय का आरंभ : वास्तुकला शिक्षा के संदर्भ में जलवायु परिवर्तन से संबंधित समस्याओं का निदान करने के क्रम में, वास्तुकला परिषद् के अध्यक्ष ने वास्तुकला संस्थानों में पाठ्यक्रम की अध्ययन-सूची में समुचित परिवर्तन के सुझाव देने हेतु वास्तुकला परिषद् की सहायता करने हेतु एक उप-समिति का गठन किया है, जिसमें वास्तुविद विशाल व्यास, संयोजक के रूप में, प्रोफे. प्रसाद वैद्य, सदस्य, प्रोफे. अशोक बी. लाल, सदस्य, वास्तुविद संदीप शिकरे, प्रोफे. हिना जिया, सदस्य, प्रोफे. राजीव मिश्रा, सदस्य, डॉ. विजयलक्ष्मी अय्यर, सदस्य, डॉ. आनंद अचारी, सदस्य, प्रोफे. सुरेश मूर्ति, सदस्य, वास्तुविद स्वाति पुचलपल्ली, सदस्य के रूप में सम्मिलित हैं। समिति द्वारा की गई संस्तुतियों को अनुमोदित कर दिया गया है तथा समस्त वास्तुकला संस्थानों को निर्देश दे दिया गया है कि वे अपने पाठ्यक्रम की अध्ययन-सूची में जलवायु परिवर्तन का विषय सम्मिलित करें।

29. विभिन्न विभागों / संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन : वास्तुविद अधिनियम 1972 के उद्देश्यों को प्राप्त करने के क्रम में परिषद् ने बीईई, जीआरआईएचए, आईपीए, आईजीबीसी, एसईपीसी, डीईपीडब्ल्यूडी, इत्यादि के साथ एमओयू (समझौता ज्ञापन) निष्पादित किये हैं। प्रतिवेदनाधीन वर्ष की समयावधि में परिषद् ने वास्तुविदों द्वारा विकसित ऊर्जा कार्यकुशल विधियों एवं तकनीकों के संवर्द्धन हेतु 20.05.2023 को एलियांस फॉर एन एनर्जी एफिसिएंट इकोनोमी (एईईई) तथा वास्तुविदों एवं अन्य हितधारकों के मध्य संधारणीय क्षेत्र से संबंधित ज्ञान प्रसारित करने हेतु 03.08.2023 को सेंटर फॉर ग्रीन बिल्डिंग मैटीरियल्स एंड टेक्नोलोजी (सीजीबीएमटी) के साथ एमओयू (समझौता ज्ञापन) निष्पादित किया है।
30. विदेशी प्राधिकरणों / प्राधिकारियों द्वारा भारतीय वास्तुकला योग्यताओं की मान्यता हेतु पारस्परिक मान्यता अनुबंध :
परिषद्, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता एवं समर्थन द्वारा विदेशों में भारतीय वास्तुकला योग्यताओं की मान्यता हेतु यूके, ऑस्ट्रेलिया तथा यूएस के प्राधिकारियों के साथ सक्रिय पत्राचार कर रही है। परिषद् की कार्यकारिणी समिति ने 02.06.2023 को आर्किटेक्ट्स रजिस्ट्रेशन बोर्ड (एआरबी), यूके के साथ एक ऑनलाइन बैठक की। इसके उपरांत, भारतीय वास्तुविदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने लंदन डिजाइन वीक की अपनी यात्रा की समयावधि में 27.06.2023 को लंदन में एआरबी के साथ एक बैठक की। इस प्रकरण में निरंतर अग्रविमर्श करने के लिये वास्तुविदों हेतु भारत और यूके के मानदंडों व आवश्यकताओं की जांच की जा रही है।
31. भारत में रोजगार के लिये वास्तुकला में विदेशी स्नातकोत्तर (पीजी) योग्यताओं की समानता :
प्रायः परिषद् को ऐसे वास्तुविदों से अनेक अभ्यावेदन तथा सार्वजनिक शिकायत प्राप्त होती है, जो विदेशों से वास्तुकला में अपनी स्नातकोत्तर योग्यतायें पूर्ण कर चुके हैं लेकिन भारत में उनकी स्नातकोत्तर की उपाधि मान्य या समकक्ष नहीं है। इस प्रकरण पर मंत्रालय के पदाधिकारियों के साथ भी विचार-विमर्श किया गया है तथा मंत्रालय ने इच्छा व्यक्त की है कि भारत में विदेशी पीजी योग्यताओं की समानता प्रदान करने हेतु परीक्षा आयोजित करने सहित कुछ पूर्व-निर्धारित मापदंडों के आधार पर समानता प्रदान करने की एक योजना तैयार की जाय, ताकि संबंधित वास्तुविद अपनी उच्चतर योग्यताओं से लाभान्वित हो सकें।
तदनुसार, डॉ. वंदना सहगल अध्यक्ष तथा डॉ. मीनाक्षी जैन, सदस्य, डॉ. कविता डी. राव, विशेष सदस्य, डॉ. पी.एस.एन. राव, विशेष सदस्य तथा डॉ. ए. श्रीवत्सन, विशेष सदस्य की एक उप-समिति का गठन किया गया था, जो परिषद् द्वारा वास्तुकला में भारतीय स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम के साथ वास्तुकला में विराष्ट्रीय पीजी योग्यताओं की समानता प्रदान करने हेतु योजना तथा कार्यतंत्र तैयार करने के लिये गठित की गई थी। समिति ने इस प्रकरण पर गंभीरता से ध्यान देने के बाद वास्तुकला में स्नातकोत्तर की उपाधि की समानता का सरलीकरण करने हेतु एक ऐसी स्वचालित प्रक्रिया का प्रस्ताव दिया है, जो सीओए वेबसाइट पर समानता के लिये आवेदन करने हेतु सुलभ, समयबद्ध, एकल खिड़की आधारित, निष्पक्ष और उद्देश्यपूर्ण है। परिषद् ने 12 मार्च, 2023 को आयोजित अपनी 79वीं बैठक में विदेशी पीजी योग्यता योजना को अनुमोदित कर दिया है तथा इसे क्रियान्वयन हेतु अपना अनुमोदन प्रदान करने के लिये शिक्षा मंत्रालय के पास प्रस्तुत कर दिया गया था। मंत्रालय के अनुमोदन की प्रतीक्षा की जा रही है।
32. वास्तुविदों द्वारा उपलब्ध कराई गई सेवाओं पर जीएसटी का संग्रहण : वास्तुविदों से अनेक अभ्यावेदन प्राप्त करने के पश्चात् परिषद् ने माननीय वित्त मंत्री, भारत सरकार से निवेदन किया कि वास्तुकला सेवाओं पर जीएसटी के संग्रहण का उत्तरदायित्व वास्तुविदों के स्थान पर ग्राहक के ऊपर रखा जाना चाहिये। इस संबंध में वित्त मंत्रालय की समुपयुक्त कार्रवाई की प्रतीक्षा की जा रही है।
33. सार्वभौमिक सुगमता पर समझौता ज्ञापन : वास्तुविद अधिनियम 1972 के उद्देश्यों को अग्रसारित करने के क्रम में, परिषद् ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारतीय शासन के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ सार्वभौमिक सुगमता पर एक पुस्तिका की तैयारी करना तथा वास्तुविदों / सार्वभौमिक सुगमता लेखापरीक्षकों के प्रशिक्षण का संचालन करना सम्मिलित है, जिसमें सभी स्तरों पर वास्तुकला पाठ्यक्रम की पाठ्यक्रमगत विषय-सूची में एक मुख्य विषय के रूप में सार्वभौमिक सुगमता को समाहित किया गया है।
34. परिषद् द्वारा वास्तुकला विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान करना : वास्तुकला में अनुसंधान एवं नवप्रवर्तन का संवर्द्धन करने के क्रम में परिषद् प्रत्येक वर्ष मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर रही है तथा महाविद्यालय प्रत्येक वर्ष निम्नलिखित श्रेणियों में विजयी विद्यार्थी प्रविष्टियों का नामांकन कर रहे हैं :
क) वास्तुकला थीसिस 2023 में उत्कृष्टता के लिये सीओए पुरस्कार तथा वर्ष 2023 का जेके एवाईए सर्वश्रेष्ठ वास्तुकला विद्यार्थी प्रत्येक क्षेत्रीय इवेंट पर (दो श्रेणियों में) :
श्रेणी क. वास्तुकला परियोजना
1. सर्वश्रेष्ठ थीसिस परियोजना के लेखक को, (निर्णायक मंडल हेतु चयनित) – रु. 15,000/- + प्रत्येक को प्रमाणपत्र।

2. अगली चार थीसिस परियोजनाओं के लेखकों को – रु. 10,000/- + प्रत्येक को प्रमाणपत्र।

श्रेणी ख. सामाजिक समस्याओं की निदानकारी परियोजना

1. सर्वश्रेष्ठ थीसिस परियोजना के लेखक को, (निर्णायक मंडल हेतु चयनित) – रु. 15,000/- + प्रत्येक को प्रमाणपत्र।

2. अगली चार थीसिस परियोजनाओं के लेखकों को – रु. 10,000/- + प्रत्येक को प्रमाणपत्र।

श्रेणी क. वास्तुकला परियोजना

1. सर्वश्रेष्ठ दो थीसिस परियोजनाओं के लेखक को – रु. 1,00,000/- + प्रत्येक को प्रमाणपत्र।

2. अगली तीन थीसिस परियोजनाओं के लेखकों को – रु. 25,000/- + प्रत्येक को प्रमाणपत्र।

श्रेणी ख. सामाजिक समस्याओं की निदानकारी परियोजना

1. सर्वश्रेष्ठ दो थीसिस परियोजनाओं के लेखकों को – रु. 1,00,000/- + प्रत्येक को प्रमाणपत्र।

2. अगली तीन थीसिस परियोजनाओं के लेखकों को – रु. 25,000/- + प्रत्येक को प्रमाणपत्र।

निर्णायक मंडल में विजयी प्रविष्टियों (प्रत्येक श्रेणी में दो) को नामांकित करनेवाले 4 महाविद्यालयों को अनुसंधान अनुदान दिया जाना है : रु. 1,50,000/- प्रत्येक

राष्ट्रीय इवेंट में :

1. वर्ष के जेके एवाईए सर्वश्रेष्ठ वास्तुकला विद्यार्थी पुरस्कार 2023 हेतु चयनित थीसिस परियोजना के लेखक को : रु. 25,000/-, विजयचिह्न तथा प्रशस्तिपत्र (जे.के. सीमेंट लिमिटेड द्वारा)

ख) वास्तुकला 2023 में स्नातकोत्तर थीसिस में उत्कृष्टता हेतु सीओए पुरस्कार :

1. सर्वश्रेष्ठ तीन थीसिस परियोजनाओं के लेखक को – रु. 1,00,000/- + प्रत्येक को प्रमाणपत्र।

2. तीन श्रेष्ठ थीसिस परियोजनाओं के लेखक को – रु. 25,000/- + प्रत्येक को प्रमाणपत्र।

निर्णायक मंडल में विजयी प्रविष्टियों को नामांकित करनेवाले 3 महाविद्यालयों को अनुसंधान अनुदान दिया जाना है : रु. 1,50,000/- प्रत्येक।

ग) वास्तुकला विरासत 2023 के प्रलेखीकरण में उत्कृष्टता हेतु सीओए विद्यार्थी पुरस्कार : (तीन श्रेणियाँ)

1. क्षेत्रीय स्तर के विजेतागण (प्रत्येक क्षेत्र में कुल 6, प्रत्येक श्रेणी में 2) रु. 15,000/- + प्रत्येक को प्रमाणपत्र।

2. राष्ट्रीय निर्णायक मंडल में विजेतागण (कुल 3, प्रत्येक श्रेणी में 1) रु. 1,00,000/- + प्रत्येक को प्रमाणपत्र।

3. राष्ट्रीय निर्णायक मंडल में प्रशस्तिपत्र (कुल 6, प्रत्येक श्रेणी में 2) रु. 25,000/- + प्रत्येक को प्रमाणपत्र।

निर्णायक मंडल में विजयी प्रविष्टियों को नामांकित करनेवाले 3 महाविद्यालयों को अनुसंधान अनुदान दिया जाना है (प्रत्येक श्रेणी में एक) : रु. 1,50,000/- प्रत्येक।

35. टीआरसी पुणे तथा भोपाल में संपन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम :

टीआरसी पुणे ने रिपोर्टाधीन वर्ष की समयावधि में पुणे तथा अन्य नगरों में अध्यापकों एवं व्यावसायिक वास्तुविदों के लिये एक ऑफलाइन तथा 35 ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये। इन कार्यक्रमों में अखिल राष्ट्र के 1561 प्रतिभागीगण उपस्थित थे। कार्यक्रमों के विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत हैं :

1. सीओए टीआरसी पुणे में अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम :

| क्र. सं. | प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विवरण | समन्वयक का नाम | तिथियाँ | प्रतिभागिता की संख्या |
|----------|--|-------------------|----------------------|-----------------------|
| 1. | अनुसंधान में प्रथम चरण पूर्ण करना : कृषि, नगर नियोजन तथा नगर वास्तुकला के क्षेत्रों में एक गहन साहित्यिक समीक्षा तथा अनुसंधान विषय सृजित करने हेतु सुझाव एवं तकनीकें | अरुणा श्री रेड्डी | 17 से 21 अप्रैल 2023 | 53 |

| | | | | |
|-----|--|------------------|-------------------------------|-----|
| 2. | शिक्षण – वास्तुविदों के लिये इतिहास का शिक्षण तथा अनुप्रयोग | एन.एस. राठौड़ | 17 से 21 अप्रैल 2023 | 65 |
| 3. | पारंपरिक भारतीय वास्तुकला ज्ञान प्रणालियाँ | अश्विनी पेटे | 8 से 12 मई 2023 | 45 |
| 4. | गुणात्मक अनुसंधान | अभिजीत नातु | 29 मई से 2 जून 2023 | 53 |
| 5. | वास्तुकला विषय-सूची और शिक्षाशास्त्र में सांस्कृतिक विरासत सम्मिलित करना | देबालीना घोष | 29 मई से 2 जून 2023 | 29 |
| 6. | वास्तुकला लेखन : शोध पत्रों, लेखों में वास्तुकला लेखन का उपयोग करने और वास्तुकला के अभिनव संबद्ध अंतःविषयक क्षेत्रों की खोज करने की एक महत्वपूर्ण सचेत समझ | वेदवती दातार | 5 जून से 9 जून 2023 | 48 |
| 7. | नगरीय भारत 2047 : भारतीय नगरों के भविष्य को आकार देना | अस्मिता यादव | 19 से 23 जून 2023 | 58 |
| 8. | एक प्रभाव संचालित वास्तुकला विषय-सूची अंगीकार करना | राधिका नागपाल | 3 से 7 जुलाई 2023 | 26 |
| 9. | वास्तुकला तथा अभिकल्पना अध्ययन में एसडीजी की व्याख्याएँ | धीरज सल्होत्रा | 17 से 21 जुलाई 2023 | 48 |
| 10. | सहानुभूति कारक मानसिक स्वास्थ्य कार्यशाला | सुहा खोपटकर | 24 से 28 जुलाई 2023 | 30 |
| 11. | वास्तुकला पत्रकारिता में अनुसंधान का अर्थ : अकादमियों तथा व्यावसायिक अभ्यास में प्रयुक्त प्रक्रियाएँ | जगबीर सिंह | 31 जुलाई 2023 से 4 अगस्त 2023 | 34 |
| 12. | “गुणवत्तापूर्ण वास्तुकला शिक्षा को बढ़ावा देना : अकादमिक नियोजन, शिक्षण का क्रियान्वयन तथा अकादमिक प्रलेखीकरण | तनया वर्मा | 7 से 11 अगस्त 2023 | 101 |
| 13. | जीवनानुकूल पर्यावरण की अभिकल्पना करने में जल तथा इसकी भूमिका | पूजा उग्रानी | 7 से 11 अगस्त 2023 | 39 |
| 14. | नगरीय सामान्य आवश्यकताएँ- अवसर तथा दृष्टिकोण | शांथला वी. | 11 से 15 सितंबर 2023 | 29 |
| 15. | सौंदर्यशास्त्र तथा दृश्यगत भाषा : वास्तुकला में अनुसंधान और अभिकल्प शिक्षाशास्त्र | कैवन मेहता | 12 से 16 सितंबर 2023 | 60 |
| 16. | सार्वभौमिक सुगमता प्रशिक्षण | जयश्री देशपांडे | 12 से 23 सितंबर 2023 | 49 |
| 17. | परास्नातक वास्तुकला थीसिस को समझना | अंजलि चेरियथ | 9 से 13 अक्टूबर 2023 | 40 |
| 18. | अंतःविषयक अनुसंधान तथा वास्तुकलात्मक अभ्यास | ममता राज | 30 अक्टूबर से 3 नवंबर 2023 | 25 |
| 19. | वास्तुकला अभिकल्पना में आरेखों तथा प्रस्तुतिकरण का संश्लेषण | तुषारा जी. नायर | 30 अक्टूबर से 3 नवंबर 2023 | 47 |
| 20. | वास्तुकला विषय-सूची तथा शिक्षाशास्त्र पोस्ट एनईपी 2020 | शैला बंटानूर | 20 से 24 नवंबर 2023 | 54 |
| 21. | वास्तुकला शिक्षा में जल संवेदनशीलता को एकीकृत करना | अनिल रवींद्रनाथन | 20 से 24 नवंबर 2023 | 24 |
| 22. | अभिकल्पना संबंधी विचारण – सहानुभूति से नवाचार तक | भक्ति मोरे | 11 से 15 दिसंबर 2023 | 34 |

| | | | | |
|-----|---|---------------------|---------------------------|------|
| 23. | सभी के लिए आवास तथा दीर्घकालिक विकास में इसका भविष्य | शालिनी डी. रेड्डी | 18 से 22 दिसंबर 2023 | 73 |
| 24. | शिक्षाशास्त्र पर पुनर्विचारण : डिजिटल प्रौद्योगिकी की क्षमता की खोज करना | नवारा ए. | 8 से 12 जनवरी 2024 | 48 |
| 25. | जनरेटिव एआई आर्किटेक्नोक्सि : भविष्य के वास्तुविदों हेतु संकाय का सशक्तिकरण | अनुरक्ति यादव | 8 से 12 जनवरी 2024 | 44 |
| 26. | गगनस्पर्शी भवनों को पुनः परिभाषित करना : ऊँचे भवन की अभिकल्पना में उन्नत प्रणालियों की खोज करना | परीक्षित वाघधरे | 15 से 19 जनवरी 2024 | 41 |
| 27. | सतत उपयोगी भवनों का संवर्द्धन करना- रेट्रोफिट, रीपर्स, रीकंडीशन | कैवान मेहता | 15 से 19 जनवरी 2024 | 47 |
| 28. | वास्तुकला शिक्षा में पारिस्थितिक परिप्रेक्ष्य | अदिति नवगिरे | 29 जनवरी से 2 फरवरी 2024 | 54 |
| 29. | वास्तुकला, अभिकल्पना तथा अनुसंधान में एआई का अनुप्रयोग | शैला बंटानूर | 29 जनवरी से 2 फरवरी 2024 | 46 |
| 30. | एसडीजी की व्याख्या- भूदृश्य तथा पर्यावरणीय अध्ययन | धीरज सल्होत्रा | 19 फरवरी से 23 फरवरी 2024 | 41 |
| 31. | पर्यावरण प्रदर्शन अनुरूपता का सृजन तथा मूल्यांकन | सैली गोसावी | 19 फरवरी से 23 फरवरी 2024 | 30 |
| 32. | अनुसंधान आधार तथा अनुसंधान पद्धति की अभिकल्पना | रामा आर. सुब्रमण्यम | 26 फरवरी से 1 मार्च 2024 | 42 |
| 33. | वास्तुकला अभिकल्पना की संक्षिप्ति- डिजाइन स्टूडियो तथा इसके विकास हेतु एक प्रस्ताव | अभिषेक चक्रवर्ती | 26 फरवरी से 1 मार्च 2024 | 31 |
| 34. | सार्वभौमिक सुगमता प्रशिक्षण (न्यू दिल्ली में ऑफलाइन संचालित किया गया) | जयश्री देशपांडे | 11 से 12 मार्च 2024 | 25 |
| 35. | अनुसंधान में पीएलएस-एसईएम का अनुप्रयोग | अनुराग वर्मा | 18 से 22 मार्च 2024 | 27 |
| 36. | दीर्घकालिक वास्तुकला : नवीकरणीय ऊर्जा तथा दीर्घकालिक विधियाँ अपनाना | अरुणा भारद्वाज | 18 से 22 मार्च 2024 | 21 |
| | | | कुल | 1561 |

2. सीओए टीआरसी भोपाल में प्रशिक्षण कार्यक्रम :

1. वास्तुकला में पैरामीट्रिक टूल्स और कम्प्यूटेशनल डिजाइन पर 08 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम 1 अप्रैल से 23 अप्रैल 2023 तक।
2. वास्तुकला तथा नियोजन अनुसंधान में कार्यप्रणाली एवं अन्वेषण पर एफडीपी 24 अप्रैल से 28 अप्रैल 2023 तक।
3. आरंभकर्ताओं-स्तर 1 हेतु पायथन पर राष्ट्रीय ऑनलाइन प्रशिक्षण 6 मई 2023 से 28 मई 2023 तक।
4. नगरीय पर्यावरण, दीर्घकालिकता तथा जलवायु परिवर्तन पर एफडीपी 15 मई से 19 मई 2023 तक।
5. एक ओपन-सोर्स प्रक्रिया पर नगर विशिष्टता परिसीमन के लिये यूएवी ड्रोन पर राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला 22 मई से 26 मई 2023 तक।
6. जलवायु परिवर्तन तथा अनुकूलन हेतु नगरों को अनुकूलित करने वास्तुकला नगरीकरण पर एफडीपी 29 मई से 2 जून 2023 तक।
7. डिजाइन के बहुविषयक पहलुओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन; संबद्धता-2023 को बढ़ाना 01 जून से 03 जून 2023 तक।
8. वास्तुकला तथा नियोजन में आँकड़ों का प्रभावपूर्ण विश्लेषण एवं प्रस्तुति के लिये इंटरैक्टिव डैशबोर्ड सृजन के शिक्षण पर एफडीपी 12 जून 2023 - 16 जून 2023।
9. आपदा प्रबंधन तथा नगरीय अनुकूलन पर राष्ट्रीय ऑनलाइन एफडीपी 3 जुलाई 2023 से 7 जुलाई 2023 तक।

10. वास्तुकला तथा नियोजन में वर्तमान अनुसंधान एवं पद्धतियों पर राष्ट्रीय ऑनलाइन एफडीपी 10 जुलाई से 14 जुलाई 2023 तक।
 11. इष्टतम निर्माण तथा नगरीय निर्मित पर्यावरण के लिये सिमुलेशन सॉफ्टवेयर एकीकृत करने पर राष्ट्रीय ऑनलाइन एफडीपी 17 जुलाई से 21 जुलाई 2023 तक।
 12. परियोजना-आधारित शिक्षण व प्रशिक्षण हेतु वास्तुकला स्टूडियो प्रभावों से शिक्षा प्राप्ति पर राष्ट्रीय ऑनलाइन एफडीपी 24 जुलाई से 28 जुलाई 2023 तक।
 13. दीर्घकालिक विकास हेतु नगर की पारिस्थितिकीय पहलों पर राष्ट्रीय ऑनलाइन एफडीपी 31 जुलाई से 4 अगस्त 2023 तक।
 14. वास्तुकला आरेखण तथा प्रस्तुति के शिक्षण में शिक्षाशास्त्र पर राष्ट्रीय ऑनलाइन पांच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम 14 अगस्त 2023 से 18 अगस्त 2023 तक।
 15. दीर्घकालिक नगरों तथा समुदायों पर राष्ट्रीय ऑनलाइन एफडीपी 21 से 25 अगस्त 2023 तक।
 16. निर्मित पर्यावरण तक सुगमता के लिये सार्वभौमिक डिजाइन : बाधायेँ हटाने पर राष्ट्रीय ऑनलाइन एफडीपी 11 से 15 सितंबर 2023 तक।
 17. "पायथन फॉर बिगिनर्स – लेवल 1" पर राष्ट्रीय ऑनलाइन एसटीटीपी 18 से 22 सितंबर 2023 तक।
 18. "बिल्डिंग एनर्जी परफॉर्मंस" पर राष्ट्रीय ऑनलाइन एफडीपी 25 से 29 सितंबर 2023 तक।
 19. "ऑकड़ा विश्लेषण तथा निर्णयन हेतु ऑकड़ा दृश्यकोण यंत्र : टेबल्यू एंड पावर बीआई" पर राष्ट्रीय ऑनलाइन एसटीटीपी 9 से 13 अक्टूबर 2023 तक।
 20. "वास्तुकला में सॉफ्टवेयर का उपयोगीकरण प्रकट करना" पर राष्ट्रीय ऑनलाइन एफडीपी 30 अक्टूबर से 03 नवंबर 2023 तक।
 21. "वास्तुकला तथा नियोजन में अनुसंधान प्रविधियाँ व तकनीकें" पर राष्ट्रीय ऑनलाइन एफडीपी 8 से 12 जनवरी 2024 तक।
 22. "एपीआईसी" (वास्तुकला तथा लोक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन) 2024 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, रिजवी कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, मुंबई में 24 से 25 फरवरी 2024 तक।
 23. "पायथन फॉर बिगिनर्स – लेवल 2" पर राष्ट्रीय ऑनलाइन एसटीटीपी 22 मार्च से 26 अप्रैल 2024 तक।
36. वास्तुकला संस्थानों में रैगिंग रोधन उपाय : परिषद् ने रैगिंग रोकने पर विरचित यूजीसी विनियमों को अपनाया है तथा सभी वास्तुकला संस्थानों को कठोरतापूर्वक इन विनियमों का पालन करने के लिये कहा गया है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष की समयावधि में परिषद् के सम्मुख किसी भी संस्थान अथवा विद्यार्थी द्वारा किसी भी विद्यार्थी के साथ रैगिंग की किसी भी घटना की शिकायत नहीं की गयी थी। श्री दीपक कुमार, प्रशासनिक अधिकारी रैगिंग रोधन पर केंद्रक अधिकारी हैं।
37. वास्तुविदों से परिषद् द्वारा लिये जा रहे शुल्क की वृद्धि हेतु सीओए नियमावली 1973 में संशोधन : परिषद् ने 24 एवं 25 जनवरी 2020 को आयोजित अपनी 72वीं बैठक में, शुल्कों की पुनरीक्षा हेतु एक प्रस्ताव पारित किया तथा वास्तुविदों से लिये जा रहे शुल्कों में वृद्धि करने हेतु वास्तुकला परिषद् नियमावली 1973 में उपयुक्त संशोधन करने के लिये, इसे 18 नवंबर 2020 को शिक्षा मंत्रालय, भारतीय शासन के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। इस संबंध में मंत्रालय ने किन्हीं स्पष्टीकरणों की मांग रखी थी तथा परिषद् ने उन्हें पूरा कर दिया था। इस संदर्भ में मंत्रालय के अनुमोदन की प्रतीक्षा की जा रही है।
38. परिषद् द्वारा व्यक्तियों के आधार-आधारित सत्यापन का आरंभ : परिषद् ने सुशासन हेतु अपनी अभिनव कार्यप्रणालियों के भाग के रूप में आधार-आधारित सत्यापन आरंभ करने का निर्णय लिया है। तदनुसार, शिक्षा मंत्रालय, भारतीय शासन से अनुरोध किया था कि आधार नियमावली के अंतर्गत अधिसूचना निर्गत की जाय। शिक्षा मंत्रालय ने प्रकरण पर अपेक्षित अधिसूचना निर्गत कर दी है।
49. वास्तुकला परिषद् (स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम हेतु वास्तुकला शिक्षा के न्यूनतम मानक) विनियमावली 2022 का अनुमोदन : परिषद् ने, 15 जुलाई 2022 को आयोजित अपनी 77वीं बैठक में वास्तुकला परिषद् (स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम हेतु वास्तुकला शिक्षा के न्यूनतम मानक) विनियमावली 2022 का अनुमोदन किया है। इस विनियमावली को नवंबर 2022 में शिक्षा मंत्रालय, भारतीय शासन के समक्ष, वास्तुविद अधिनियम 1972 की धारा 45 के निबंधनों में उसके अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया गया था। मंत्रालय के अनुमोदन की प्रतीक्षा की जा रही है।
40. समुन्नति विद्यार्थी द्विवार्षिक दिसंबर 2023 : संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने भारतीय कला, वास्तुकला एवं अभिकल्पना द्विवार्षिक 2023 (आईएएडीबी'23) नामक कार्यक्रम का आयोजन किया है, जो 9 से 15 दिसंबर 2023 तक दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में आयोजित किया गया। द्विवार्षिक के अंश के रूप में परिषद् ने छात्र द्विवार्षिक – समुन्नति 2023 का आयोजन किया, जो 9 से 15 दिसंबर 2023 तक ललित कला अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। माननीय संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. निर्मलजीत सिंह कलसी, आईएएस (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष, राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् ने 15 दिसंबर 2023 को आयोजित समापन समारोह में भाग लिया तथा विजेताओं

/ प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किये। इस कार्यक्रम में लगभग 108 वास्तुकला संस्थानों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, सीबीएसई से संबद्ध अनेक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी 7 दिनों के कार्यक्रम की सप्ताहावधि में आयोजन-स्थल पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

41. दिनांक 15, 16 एवं 17 फरवरी 2024 को वीआईटी वेल्लोर, में "परिवर्तनशील विश्व में वास्तुकला शिक्षा" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन :

परिषद् ने 15, 16 एवं 17 फरवरी, 2024 को वीआईटी, वेल्लोर, तमिलनाडु में "सीओए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन –परिवर्तनशील विश्व में वास्तुकला शिक्षा-भविष्य की समीक्षा और पुनर्विचार (सीओए-आईसीएफएई)" नामक एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया, जो वास्तुकला शिक्षा के गतिशील तथा विकसित परिदृश्य को समर्पित एक प्रमुख सम्मेलन है। वास्तुकला शिक्षा के क्षेत्र में प्रसिद्ध विशेषज्ञों तथा विचारकों ने वास्तुकला शिक्षा के 6 उप-विषयों में उभरती रुचियों, चुनौतियों तथा नवीन दृष्टिकोणों पर व्यस्ततम् सत्र आयोजित किये। सम्मेलन के लिये प्राप्त चयनित शोधपत्र लेखकों द्वारा सम्मेलन में अकादमिक विचार-विमर्श में योगदान देने के लिये प्रस्तुत किये जायेंगे। इस सम्मेलन ने शिक्षकों, शोधकर्ताओं और उद्योग के व्यवसायियों को एक साथ आने, जुड़ने और वास्तुकला शिक्षा की परिवर्तनकारी क्षमता विकसित करने हेतु एक विशिष्ट मंच उपलब्ध कराया। नवाचार, प्रौद्योगिकी तथा अंतःविषयक सहयोग पर ध्यान देने के साथ, सीओए-आईसीएफएई का उद्देश्य वास्तुकला शिक्षा का भविष्य साकार करने के लिये नवीन विचारों तथा कार्यनीतियों को प्रेरित करना था।

"समुन्नति विस्तार-परिवर्तनशील विश्व में वास्तुकला शिक्षा" निम्नलिखित छह व्यापक उप-विषयों पर आधारित थी :

- 1) अभ्यास तथा अनुसंधान के लिए वास्तुकला विषय-सूची की प्रासंगिकता;
- 2) नियामकीय निकायों की भूमिका;
- 3) वास्तुकला में उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ;
- 4) वास्तुकला में समकालीन चिंतार्ये;
- 5) अभिनव कार्यक्रम; तथा
- 6) एनईपी तथा वास्तुकला शिक्षा पर इसका प्रभाव।

42. सार्वभौमिक सुगम्यता के अंतर्गत प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण :

परिषद् ने सीओए एवं डीईपीडब्ल्यूडी के मध्य निष्पादित एमओयू के तहत सार्वभौमिक सुगम्यता के अंतर्गत प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया। इस कार्यक्रम में अखिल भारत के वरिष्ठ वास्तुविदों तथा शिक्षकों ने भाग लिया। तीन मॉड्यूल्स वाले पहले भाग को इस क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा 6 दिनों तक ऑनलाइन आयोजित किया गया था। दो मॉड्यूल्स वाले दूसरे भाग को डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में ऑफलाइन आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण मॉड्यूल्स के संक्षिप्त विवरणों से समाविष्ट एक पुस्तक मुद्रित की गई थी तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री सुश्री प्रतिमा भौमिक के हाथों इसका विमोचन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सचिव श्री राजेश अग्रवाल तथा सीओए के अध्यक्ष प्रोफेसर अभय वी. पुरोहित के हाथों सफल प्रतिभागियों एवं वक्ताओं को प्रमाणपत्र प्रदान करने के साथ संपन्न हुआ।

43. प्रकाशन :

परिषद्, "वास्तुकला समय स्थान एवं लोक" नामक पत्रिका तथा ई-प्रारूप में सीए न्यूज लैटर प्रकाशित कर रही है, जिनमें वास्तुकला व संबद्ध विषयों तथा परिषद् व इसकी गतिविधियों के बारे में समाचार एवं जानकारियों से संबंधित अनेक आलेख सम्मिलित हैं। परिषद् ने वास्तुकला शिक्षा एवं व्यवसाय के संवर्द्धन के दृष्टिगत वास्तुकला संस्थानों में वितरण के लिये मितव्ययी मूल्यों पर निम्नलिखित पुस्तकें क्रय की हैं :

| क्र.सं. | पुस्तक का शीर्षक | लेखक/प्रकाशक का नाम |
|---------|---|--------------------------|
| 1. | जर्नल ऑफ काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चरल (जेसीओए) – हेरिटेज एंड कंजर्वेशन | काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर |
| 2. | जस्ट गिव मि सम स्पेस | आर्कि. सुहा रियाज खोपटकर |
| 3. | लेट्स बिल्ड विद बंबू (वाल््यू 1 एंड वाल्यू 2) | आर्कि. नीलम मंजूनाथ |
| 4. | आर्काइविंग आर्किटेक्चरल थीसिस – 2020 | काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर |
| 5. | लर्निंग बेसिक डिजाइन | प्रोफे. प्रदन्था चौहान |
| 6. | फॉर्म फॉलोज रूट्स आर्किटेक्चर फॉर इंडिया – 1985-2021 | आर्कि. सुरिंदर बाहगा |

| | | |
|-----|---|---|
| 7. | आर्किटेक्चर : कांसेप्टुअल टु द मेनिफेस्ट – (2012) | आर्कि. प्रोफे. कुलभूषण जैन |
| 8. | क्यूबिस्ट मॉडर्निज्म – द मेकिंग, मीनिंग एंड मैडनेस ऑफ माई आर्किटेक्चर | आर्कि. संगीत शर्मा |
| 9. | कोर्टयार्ड हाउसेज ऑफ इंडिया | आर्कि.यतिन पंड्या |
| 10. | आर्किटेक्चरल इन्हेरिटेन्स एंड इवोल्यूशन इन इंडिया | आर्कि.अपूर्व बोस दत्ता |
| 11. | चंडीगढ़ | आर्कि. एस एस भाटी |
| 12. | आर्किटेक्चर : थेरी, प्रेक्टिस, रिसर्च एंड पेडगॉजी | आर्कि. एस एस भाटी |
| 13. | शेल्टरिंग एंगल | आर्कि. आशा बस्ते एवं स्व. आर्कि. प्रभाकर बस्ते |

निम्नलिखित पुस्तकें मुद्रित की गई हैं और भारत में वास्तुकला महाविद्यालयों में वितरित की गई हैं

- अर्काइविंग आर्किटेक्चरल थीसिस 2022
- डॉक्युमेंटिंग आर्किटेक्चरल हेरिटेज 2021
- रि – इमेजनिंग अर्बन वाइड्स
- कल्चरल रिसोर्स मैपिंग : ए टूल फॉर स्ट्रेंथनिंग दि फ्यूचर

निम्नलिखित पुस्तकें मुद्रण प्रक्रिया में हैं और शीघ्र वितरित की जायेंगी :

- अर्काइविंग आर्किटेक्चरल थीसिस 2021
- डॉक्युमेंटिंग आर्किटेक्चरल हेरिटेज 2022

निम्नलिखित पुस्तकें डिजाइनिंग प्रक्रिया में हैं और मुद्रण के लिए संकलित की जा रही हैं। इन्हें शीघ्र ही प्रकाशित तथा वितरित किया जायेगा :

- अर्काइविंग आर्किटेक्चरल थीसिस 2023
- डॉक्युमेंटिंग आर्किटेक्चरल हेरिटेज 2022
- अर्काइविंग पोस्ट ग्रेजुएट थीसिस इन आर्किटेक्चरल

‘परिवर्तनशील विश्व में वास्तुकला शिक्षा : भविष्य की समीक्षा और पुनर्विचार’ नामक सीओए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के कार्यक्रमों की पुस्तक संकलित की जा रही है और इसे शीघ्र ही मैसर्स टेलर एवं फ्रांसिस द्वारा प्रकाशित किया जायेगा।

44. पावती : परिषद्, वास्तुविद अधिनियम 1972 के क्रियान्वयन में केंद्र सरकार तथा इसके अधिकारियों, समस्त राज्य सरकारों, केंद्रशासित प्रदेशों, समस्त वास्तुकला संस्थानों को परिषद् को प्रदत्त उनके व्यापक सहयोग के लिये अपनी सराहना एवं आभार प्रकट करती है। परिषद्, वास्तुविद अधिनियम 1972 के उद्देश्यों का संविस्तार करने के लिये वास्तुकला परिषद् के पदाधिकारियों एवं सदस्यों, विशेषज्ञों, लेखापरीक्षकों, अधिवक्ताओं, अन्य व्यावसायिक निकायों, अभ्यासरत् वास्तुविदों, शिक्षाविदों तथा समस्त विज्ञापनदाताओं को उनके सहयोग, मार्गदर्शन, सलाह एवं समर्थन के लिये अपना आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, माननीय श्री नितिन गडकरी, माननीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार, श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार तथा श्री पीयूष गोयल, माननीय वाणिज्य मंत्री, भारत सरकार, अध्यक्ष, श्री हरदीप पुरी, माननीय आवासन एवं नगर कार्य मंत्री, भारत सरकार, कु. प्रतिमा भौमिक, न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री, भारत सरकार, शिक्षा पर संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष को समय-समय पर परिषद् को दिये गये उनके समर्थन एवं मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद ज्ञापित करती है। परिषद्, माननीय राज्यपाल पंजाब, माननीय मुख्यमंत्री केरल, माननीय मुख्यमंत्री कर्नाटक, मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश को भी उनके द्वारा मैनुअल ऑफ आर्किटेक्चरल प्रेक्टिस के शुभारंभन के लिए धन्यवाद ज्ञापित करती है।

परिषद्, अपने अधिकारियों व कर्मचारियों और वर्ष 2023-24 की समयावधि में परिषद् को उपयोगी सेवायें प्रदान करनेवाले समस्त व्यक्तियों का भी आभार व्यक्त करती है।

दिनांकित : 18/06/2024

आर. के. ओबराय, पंजीयक (रजिस्ट्रार)

बी.सी. जैन एण्ड कं.

सनदी लेखाकार

सेवा में, वास्तुकला परिषद्
वित्तीय विवरणों के अंकेक्षण पर प्रतिवेदन
समुपयुक्त राय

हमने वास्तुकला परिषद् ("परिषद्") के संलग्न वित्तीय विवरणों का अंकेक्षण किया है, जिसमें 31 मार्च 2024 तक का तुलन-पत्र, आय एवं व्यय विवरण, तत्समय समाप्त वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान विवरण, और वित्तीय विवरणों की टिप्पणियाँ समाहित हैं, तथा उसमें महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों एवं अन्य व्याख्यापरक जानकारी (यहाँ इसमें इसके पश्चात् "वित्तीय विवरण" के रूप में संदर्भित) का एक सारांश भी सम्मिलित है।

हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिये गये स्पष्टीकरणों के अनुरूप, हमारे प्रतिवेदन की समुपयुक्त राय के आधार पर वर्णित प्रकरण के प्रभावों को छोड़कर, उपयुक्त वित्तीय विवरण वास्तुकला परिषद् विनियम 1972 (तिथि तक संशोधितानुसार) द्वारा अपेक्षितानुसार आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराता है तथा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप 31 मार्च 2024 तक परिषद् के कार्यों, उस तिथि को समाप्त वर्ष के इसके अधिशेष तथा इसकी प्राप्ति एवं भुगतान की स्थिति का एक समुचित एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करता है।

समुपयुक्त राय का आधार

हम आगे नोट संख्या 3 की ओर ध्यानाकृष्ट करते हैं कि परिषद् ने "सामान्य निधि / अधिशेष / घाटर खाता" से "भवन निर्माण परिसर निधि" में निधि अंतरित की है। उपरोक्त निधि वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए रु. 10.93 करोड़ और वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए रु. 14.26 करोड़ रुपये से संबंधित है। आय कर अधिनियम 1961 के प्रावधानों और उसके अंतर्गत विरचित नियमावली के अनुसार, निर्धारित निधियों का उपयोग केवल विशिष्ट उद्देश्य के लिए किया जाना चाहिए और इसके अतिरिक्त उपरोक्त निधि का उपयोग निधि सृजन के वित्तीय वर्ष के समापन से पांच वर्षों की एकावधि के अंदर किया जाना चाहिए। वर्तमान वर्ष की समयावधि में, वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए निधि का उपयोग वित्तीय वर्ष के अंत तक नहीं किया गया है, जिसके कारण इसे परिषद् की करयोग्य आय माना जाना चाहिए और वित्तीय वर्ष 2017-18 में सृजित निधि के संबंध में, इसका उपयोग 31-03-2023 को या इससे पहले किया जाना आवश्यक था। इस कारणवश इसे वित्त वर्ष 2022-23 की करयोग्य आय माना जाना चाहिए, किंतु इसे वित्त वर्ष 2022-23 में कर हेतु प्रस्तावित नहीं किया गया है। इस कारणवश, वर्तमान वित्तीय वर्ष की परिषद् की कुल आय 25.19 करोड़ तक कम करके बताई गई है और गृह निर्माण परिसर निधि को उसी आँकड़े द्वारा अधिक बताया गया है, हालाँकि परिषद् निरंतर निधि के उपयोगीकरण के प्रयास कर रही है और वित्त वर्ष 2017-18 की निधि के उपयोगीकरण हेतु समय बढ़ाने की अनुमति देने के लिए अध्यक्ष सीबीडीटी को आवेदन दिया गया है, जिसे आय कर विभाग द्वारा अभी भी निस्तारित किया जाना शेष है।

हमने अपना अंकेक्षण कार्य इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा निर्गत अंकेक्षण मानकों (एसए) के अनुसार किया है। उन मानकों के अंतर्गत चिह्नित हमारे उत्तरदायित्वों का विवरण, हमारे प्रतिवेदन के वित्तीय विवरणों के अंकेक्षण अनुभाग में उल्लिखित 'अंकेक्षक के उत्तरदायित्व' में प्रस्तुत है।

- अंकेक्षण प्रक्रियाओं को बनाने के क्रम में अंकेक्षण सुसंगत आंतरिक नियंत्रण का ज्ञान प्राप्त करना, जो परिस्थितियों के अनुसार तो उपयुक्त हों, किंतु परिषद् के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावकारिता पर कोई भी राय व्यक्त करने के उद्देश्य से न हों।
- उपयोग में लाई गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता तथा प्रबंधन द्वारा किये गये लेखांकन अनुमानों एवं संबंधित प्रकटीकरणों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करें।
- लेखांकन की वर्तमान कंपनी के प्रबंधन की उपयोग की उपयुक्तता पर आधारित तथा प्राप्त अंकेक्षण साक्ष्य के आधार पर निष्कर्ष निकालें कि क्या ऐसी घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई वास्तविक अनिश्चितता विद्यमान है जो परिषद् की एक वर्तमान संस्था के रूप में निरंतर चलायमान रहने की क्षमता पर गहन संदेह पैदा कर सकती है। यदि हम इस निष्कर्ष तक पहुँचते हैं कि हाँ यहाँ कोई वास्तविक अनिश्चितता है, तो हमें अपने अंकेक्षक के प्रतिवेदन में वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरणों पर ध्यानाकृष्ट करना होगा, अथवा यदि ऐसे प्रकटीकरण अपर्याप्त हैं, तो हमें अपनी राय बदलनी होगी। हमारे निष्कर्ष हमारे अंकेक्षक के प्रतिवेदन की तिथि तक प्राप्त अंकेक्षण साक्ष्य पर आधारित हैं। हालाँकि, भविष्य की घटनाओं या स्थितियों के कारण परिषद् एक चलायमान संस्था के रूप में निरंतर नहीं बनी रह सकती।
- वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना तथा विषयवस्तु का मूल्यांकन करें, जिसमें प्रकटीकरण भी सम्मिलित हैं, तथा यह भी कि क्या वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेनों और घटनाओं को इस प्रकार प्रस्तुत करते हैं कि उनका निष्पक्ष प्रस्तुतीकरण हो सके।

हम अन्य प्रकरणों के साथ-साथ, अंकेक्षण के नियोजित क्षेत्र तथा समयसारणी तथा महत्वपूर्ण अंकेक्षण निष्कर्षों के संबंध में शासन के प्रभारियों के साथ संवाद करते हैं, जिसमें हमारे अंकेक्षण की समयावधि में चिह्नित आंतरिक नियंत्रण में प्रकट कोई महत्वपूर्ण कमी भी सम्मिलित है।

हम शासन के प्रभारियों को यह कथन भी उपलब्ध कराते हैं कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, तथा उनसे उन सभी संबंधों और अन्य प्रकरणों के बारे में संवाद करने के लिए कहा है, जो उचित रूप से हमारी स्वतंत्रता पर प्रभाव डालनेवाले माने जा सकते हैं, तथा जहाँ लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय भी प्रकट हैं।

अन्य विनियामक आवश्यकताओं पर प्रतिवेदन

इसके अतिरिक्त, हम प्रतिवेदन करते हैं कि :

क) हमने वह सभी जानकारियाँ तथा स्पष्टीकरण मांगे और प्राप्त किये हैं, जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार हमारे अंकेक्षण के उद्देश्यार्थ अनिवार्य थे;

ख) हमारी राय में, वास्तुविद अधिनियम 1972 द्वारा अपेक्षित उचित लेखा बहियाँ, जहां तक उन बहियों की हमारी जांच से पता चलता है, परिषद् के पास रखी गई हैं तथा जिन शाखाओं का हमने दौरा नहीं किया है, उनसे भी अंकेक्षण के प्रयोजनार्थ समुचित विवरणियां प्राप्त हुई हैं।

31 मार्च 2024 के अनुसार तुलन-पत्र

(राशि – रु.)

| | अनुसूची | वर्त वर्ष | पूर्ववर्ती वर्ष |
|--|---------|----------------------|----------------------|
| <u>राशि / पूंजी निधि एवं देनदारियाँ</u> | | | |
| भारतीय शासन का पूंजी योगदान | 1 | 150000.00 | 150000.00 |
| सुनिश्चित निधियाँ | 2 | 1513260089.00 | 1336399626.00 |
| देनदारियाँ | 3 | 284024199.00 | 274840148.00 |
| अधिशेष / घाटा खाता | 7 | 490275419.27 | 450394589.97 |
| कुल | | 2287709707.27 | 2061784363.97 |
| <u>परिसंपत्तियाँ</u> | 4 | 239111356.00 | 240175456.78 |
| स्थायी परिसंपत्तियाँ | 5 | 1902346953.00 | 1689753968.00 |
| निवेश | 6 | 146251398.27 | 131854939.19 |
| वर्त परिसंपत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम | | | |
| कुल | | 2287709707.27 | 2061784363.97 |
| खातों के अनुसार लेखांकन नीतियाँ एवं टिप्पणियाँ | 14 | | |

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष की आय व व्यय

(राशि – रु.)

| | अनुसूची | वर्त वर्ष | पूर्ववर्ती वर्ष |
|--|---------|------------------------|------------------------|
| <u>आय</u> | | | |
| शुल्क | 8 | 58055887.00 | 50638887.00 |
| अन्य आय | 9 | 104120791.81 | 108647510.51 |
| अर्जित ब्याज | 10 | 107750884.00 | 88568138.84 |
| कुल (क) | | 26,99,27,562.81 | 24,78,54,536.35 |
| <u>व्यय</u> | | | |
| प्रतिष्ठान व्यय | 11 | 23773418.00 | 24029122.00 |
| प्रशासनिक व्यय | 12 | 15573055.21 | 14728926.61 |
| शिक्षा एवं अभ्यास के संवर्द्धन से संबंधित व्यय | 13 | 27310117.00 | 25751926.00 |
| हास | 13 | 3390143.30 | 2196892.36 |
| | 4 | | |
| कुल (ख) | | 70046733.51 | 66706866.97 |

| | | | |
|---|----|--------------|--------------|
| व्यय की तुलना में आय के आधिक्य के रूप में शेष (क-ख) | | 199880829.30 | 181147669.38 |
| अधिशेष एवं घाटा खाता में अंतरित | | 199880829.30 | 181147669.38 |
| खातों के अनुसार लेखांकन नीतियाँ एवं टिप्पणियाँ | 14 | | |

वास्तुकला परिषद् : नई दिल्ली
(वास्तुविद अधिनियम 1972 के अंतर्गत स्थापित, भारतीय संसद द्वारा अधिनियमित)
(अलाभकारी संगठन – एक शासकीय प्राधिकरण के रूप में गठित)

31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि का प्राप्ति एवं भुगतान खाता

(राशि – रु.)

| प्राप्तियाँ | वर्त वर्ष | पूर्ववर्ती वर्ष | भुगतान | वर्त वर्ष | पूर्ववर्ती वर्ष |
|--|---------------|-----------------|--|---------------|-----------------|
| I. प्रारंभिक शेष | | | I. व्यय | | |
| क) रोकड़ शेष एवं ड्राफ्ट्स | 651,340.00 | 67,440.00 | क) प्रतिष्ठान व्यय (अनुसूची 11 के अनुरूप) | 23,773,418.00 | 24,029,122.00 |
| ख) ऑनलाइन पीजी प्राप्तियाँ | 170,882.00 | 413,206.50 | ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 12 के अनुरूप) | 15,573,055.21 | 14,728,926.61 |
| ग) बैंक शेष | | | ग) कार्यशालाओं के व्यय— प्रत्याशा/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/विद्यार्थी बिनाले | 7,750,905.00 | 2,043,517.00 |
| 1) चालू/ओडी खातों में | 248,905.77 | 752,622.77 | घ) थीसिस/विरासत पुरस्कार कार्यक्रम व्यय | 5,193,489.00 | 1,990,250.00 |
| 2) बचत खाता | 28,994,880.03 | 18,950,954.40 | ड.) उत्कृष्टता केंद्र – बेंगलुरु – डिजाइन प्रतियोगिता एवं शिलान्यास व्यय | 996,829.00 | 2,503,114.00 |
| II. प्राप्त निधियाँ | | | च) नगरीय स्टूडियो अनुसंधान परियोजना हेतु मूलधन/अनुदान | 0.00 | 475,000.00 |
| क) मूल्यांकन शुल्क | 60,140,000.00 | 59,800,000.00 | छ) वास्तुकला जागरूकता पर फिल्म के व्यय | 104,972.00 | 1,707,500.00 |
| ख) निर्णय पुनरीक्षण का शुल्क | 50,000.00 | 150,000.00 | II. विभिन्न परियोजनाओं हेतु उपलब्ध निधियों के समक्ष किये गये भुगतान | | |
| ग) इन्ट्रयूशन्स का अर्थदंड/दंड | 1,860,000.00 | 455,000.00 | क) नाटा व्यय | 28,126,768.00 | 23,271,657.00 |
| घ) संस्थान का नाम/स्थल परिवर्तन/समापन का शुल्क | 4,100,000.00 | 5,100,000.00 | ख) मूल्यांकन एवं निरीक्षण व्यय | 23,771,128.19 | 22,712,185.86 |
| ड.) विवाचन शुल्क/प्रशासनिक प्रभार | 0.00 | 32,000.00 | ग) विवाचन व्यय | 0.00 | 0.00 |
| III. प्राप्त ब्याज | | | घ) वास्तुविद व्ययों की निर्देशिका | 0.00 | 0.00 |

| | | | | | |
|---|----------------|----------------|---|----------------|----------------|
| क) बैंक जमाओं पर | 105,592,297.00 | 85,371,606.84 | ड.) प्रकाशन व्यय | 12,007,196.00 | 11,921,464.00 |
| ख) ऋण, अग्रिम, इत्यादि | 879,017.00 | 820,362.00 | च) बीईई कार्यक्रम व्यय | 0.00 | 242,000.00 |
| ग) बचत बैंक खाता पर | 1,279,570.00 | 2,376,170.00 | छ) गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम संचालन व्यय | 4,953,083.00 | 5,111,081.00 |
| IV. शुल्क आय | | | III. अन्य भुगतान | | |
| क) पंजीकरण शुल्क | 8,554,800.00 | 8,050,200.00 | क) बैंक/कंपनियों द्वारा कटा गया टीडीएस | 10,805,201.00 | 8,705,123.00 |
| ख) नवीनीकरण शुल्क | 11,469,000.00 | 10,719,100.00 | ख) कर्मचारियों को अग्रिम | 3,258,400.00 | 1,946,600.00 |
| ग) पुनःस्थापन शुल्क | 8,514,000.00 | 6,253,000.00 | ग) अन्य अग्रिम | 1,770,596.00 | 3,239,959.00 |
| घ) अनुलिपि प्रमाणपत्र शुल्क | 207,600.00 | 186,000.00 | घ) एकल नवीनीकरण शुल्क का विभाजन | 11,843,537.00 | 11,125,937.00 |
| ड.) वास्तुविदों से लिया गया अर्थदंड | 17,240,750.00 | 14,304,650.00 | ड.) नाटा शुल्क अग्रिम | 14,830,150.00 | 0.00 |
| च) एकमुश्त नवीनीकरण शुल्क का नियोजन | 11,843,537.00 | 11,125,937.00 | च) मूल्यांकन शुल्क अग्रिम | 53,210,000.00 | 56,700,000.00 |
| छ) वास्तुविद पहचान पत्र शुल्क | 226,200.00 | 0.00 | छ) प्राप्य/भुगतानयोग्य राशि | 5,110,859.00 | 16,400,623.00 |
| V. अन्य आय | | | ज) वर्ष का प्रोद्भूतकृत बैंक ब्याज | 13,157,558.00 | 10,562,724.00 |
| क) प्रकाशनों से आय | 10,373,988.00 | 4,522,373.00 | झ) कर्मचारियों के अग्रिम पर प्रोद्भूत ब्याज | 879,017.00 | 830,362.00 |
| ख) आरटीआई शुल्क | 220.00 | 440.00 | ञ) नाटा परीक्षा का पूर्व भुगतये व्यय | 2,456,772.00 | 2,250,980.00 |
| ग) नाटा शुल्क | 73,443,200.00 | 79,344,400.00 | ट) विद्यमान वास्तुकला संस्थानों की प्रतिभूति जमायें | 0.00 | 0.00 |
| घ) विद्यार्थी बिनाले/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन- प्रायोजकता | 4,369,437.00 | 0.00 | ठ) नवीन वास्तुकला संस्थानों की प्रतिभूति जमायें | 7,500,000.00 | 0.00 |
| ड.) विविध आय | 26,700.00 | 840.37 | IV. स्थायी परिसंपत्तियों एवं प्रगति अधीन पूंजी पर व्यय | | |
| च) गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम का भागीदारी शुल्क | 4,351,500.00 | 4,204,300.00 | क) स्थायी परिसंपत्तियों का क्रय | 5,868,649.00 | 8,102,904.00 |
| छ) शोध निबंध (थीसिस) पुरस्कार कार्यक्रम- प्रायोजकता | 1,000,000.00 | 1,000,000.00 | V. किये गये निवेश तथा की गयीं जमायें | | |
| VI. अन्य प्राप्तियाँ | | | क) निश्चित/धर्मार्थ-दान निधियों में से | 355,434,206.00 | 590,025,457.00 |
| क) एकमुश्त नवीनीकरण शुल्क | 28,704,000.00 | 26,557,500.00 | ख) वास्तुकला संस्थान से प्राप्त प्रतिभूति जमा में से | 7,500,000.00 | 7,500,000.00 |
| ख) वर्ष के दौरान परिपक्व एफडीआर | 150,341,221.00 | 432,471,780.00 | VI. समापन शेष | | |
| ग) कर्मचारियों से वसूला गया अग्रिम | 3,126,960.00 | 2,480,907.00 | क) रोकड़ शेष एवं ड्राफ्ट्स | 7,520.00 | 651,340.00 |

| | | | | | |
|---|-----------------------|-----------------------|----------------------------|-----------------------|-----------------------|
| घ) अन्य वसूले गये अग्रिम | 3,228,125.00 | 1,898,848.00 | ख) बैंक शेष | | |
| ड.) प्रोद्भूतकृत ब्याज के समक्ष समायोजित ब्याज | 2,686,334.00 | 3,852,677.53 | 1) चालू/ओडी खातों में | 2,626,442.77 | 248,905.77 |
| च) भुगतानयोग्य कर/राशि/पोस्टेज | 4,722,836.48 | 1,368,028.86 | 2) बचत खाते | 18,571,799.11 | 28,994,880.03 |
| छ) नाटा शुल्क अग्रिम | 31,037,250.00 | 14,830,150.00 | 3) ऑनलाइन पीजी प्राप्तियाँ | 0.00 | 170,882.00 |
| ज) मूल्यांकन शुल्क अग्रिम | 42,647,000.00 | 53,210,000.00 | | | |
| झ) नवीन वास्तुकला संस्थानों की प्रतिभूति जमायें | 15,000,000.00 | 7,500,000.00 | | | |
| ञ) बीईई प्रायोजकता/प्रशासनिक प्रभार | 0.00 | 22,000.00 | | | |
| कुल | 637,081,550.28 | 858,192,494.27 | | 637,081,550.28 | 858,192,494.27 |

वास्तुकला परिषद्

हेतु एवं उसकी ओर से

हस्ता./—

(रजिस्ट्रार)

हस्ता./—

(अध्यक्ष)

सम तिथि के हमारे पृथक प्रतिवेदन के अनुसार कृते बी.सी. जैन एण्ड कं.

सनदी लेखाकार एफआरएन : 001099सी

हस्ता./—

(सीए श्याम जी गुप्ता) सदस्यता संख्या : 416155

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 09-07-2024

पी राजेश, वैज्ञानिक जी एवं उपमहानिदेशक (आई टी एस, पी आर टी एवं टी एन एम)

[विज्ञापन-III/4/असा./457/2024-25]

COUNCIL OF ARCHITECTURE

(A Statutory Authority of Government of India)

ANNUAL REPORT 2023-2024

New Delhi, the 18th June, 2024

F. No.CA/55/2024/Annual Report.— The Council of Architecture set up under the Architects Act, 1972, deems it a pleasure to present the Annual Report and Audited Statement of Accounts for the financial year ending on 31st March, 2024.

The Council of Architecture (COA) is regulatory authority for architectural institutions and professionals in the country and maintains a Register of Architects on national basis. The Ministry of Education, Department of Higher Education, Government of India is the nodal Ministry of the Council.

The COA, besides maintaining Register of Architects, oversees the maintenance of standards, periodically of recognized qualifications under the Act by way of conducting inspection through Committees of Experts. Based on the reports submitted by Experts, the COA can make representation to appropriate Governments with regard to inadequacy of standards maintained by the institutions.

Prof. Abhay V. Purohit is the President and Ar. Gajanand Ram is Vice-President of the Council. Shri R. K. Oberoi is the Registrar and Shri Deepak Kumar is Administrative Officer of the Council. In order to carry out the objectives of the Act and Regulations framed thereunder, the Council has constituted the following Statutory Committees:

- (i) The Executive Committee is constituted under Section 10 of the Act and it functions as an Executive Authority of the Council.
- (ii) Disciplinary Committee is constituted by the Central Government as per Council of Architecture Rules framed by the Central Government. This committee investigates the complaints and holds enquiries relating to professional misconduct of architects and makes its recommendations to the Council for taking decision on the guilt of the Architects.
- (iii) Advisory Committee (Appeals) hears the appeals of the applicants whose applications for registration are rejected.
- (iv) Sub-Committee on Foreign Qualifications examines the references received from Central Government for recognition of Foreign qualifications.
- (v) Scrutiny Committee scrutinizes the proposals/ applications received from existing institutions for extension of approval/ additional intake/ new institutions for introduction B.Arch. Course.

The details of the various activities undertaken by the Council from 01.04.2023 to 31.03.2024 are enumerated below:

1. MEETINGS:

Council Meetings:

During the year under report the Council had two meetings i.e. 80th Meeting on 2nd September, 2023 and 81st Meeting on 9th December, 2023.

Executive Committee Meetings:

During the year under report the Executive Committee had its 10 meetings as under:

| Sl.No. | Meeting No. | Held on | Mode |
|--------|---------------------------|---------------------------------|---------|
| 1. | 249 th Meeting | 28 th April, 2023 | Hybrid |
| 2. | 250 th Meeting | 2 nd June, 2023 | Offline |
| 3. | 251 st Meeting | 24 th June, 2023 | Hybrid |
| 4. | 252 nd Meeting | 18 th August, 2023 | Hybrid |
| 5. | 253 rd Meeting | 1 st September, 2023 | Offline |
| 6. | 254 th Meeting | 24 th November, 2023 | Hybrid |
| 7. | 255 th Meeting | 8 th December 2023 | Offline |
| 8. | 256 th Meeting | 7 th January, 2024 | Online |
| 9. | 257 th Meeting | 15 th February, 2024 | Offline |
| 10. | 258 th Meeting | 28 th March, 2024 | Hybrid |

- 2. REGISTRATION OF ARCHITECTS:** The Council registers a person, as an Architect under Section 25 of the Act, who resides or carries on the profession of Architecture in India and holds a recognized architectural qualification. The registration application and fees can be submitted in online as well as in offline mode.

During the period under report, Council has granted registration to 13812 qualified persons as Architects. With this as on 31st March, 2024, a total of **169897** Architects have been registered as architects. The state wise details of **109283** architects who hold valid registration as on 31.03.2024, is as under:

| Sl. No. | Name of States/UTs | Architects Registered during period 01.04.2023 to 31.03.2024 | Total Architects Registered as on 31.03.2024 | Active Architects with valid renewal as on 31.03.2024 |
|---------|---------------------------|--|--|---|
| 1. | ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS | 01 | 58 | 35 |
| 2. | ANDHRA PRADESH | 298 | 2796 | 1800 |
| 3. | ARUNACHAL PRADESH | 07 | 103 | 69 |
| 4. | ASSAM | 77 | 1112 | 823 |
| 5. | BIHAR | 112 | 1372 | 1004 |
| 6. | C/O 56 Apo | 00 | 02 | 01 |
| 7. | C/O 99 Apo | 00 | 01 | 01 |
| 8. | CHANDIGARH | 34 | 1120 | 658 |
| 9. | CHHATTISGARH | 137 | 1541 | 993 |
| 10. | DADRA & NAGAR HAVELI | 08 | 44 | 32 |
| 11. | DAMAN & DIU | 04 | 57 | 40 |
| 12. | DELHI | 476 | 13703 | 7839 |
| 13. | GOA | 46 | 1087 | 718 |
| 14. | GUJARAT | 802 | 10706 | 6803 |
| 15. | HARYANA | 373 | 6247 | 4416 |
| 16. | HIMACHAL PRADESH | 94 | 869 | 632 |
| 17. | JAMMU & KASHMIR | 56 | 547 | 382 |
| 18. | JHARKHAND | 54 | 846 | 553 |
| 19. | KARNATAKA | 1168 | 12725 | 7766 |
| 20. | KERALA | 1661 | 11084 | 7821 |
| 21. | LADAKH | 04 | 15 | 14 |
| 22. | LAKSHADWEEP | 00 | 05 | 01 |
| 23. | MADHYA PRADESH | 391 | 4756 | 3026 |
| 24. | MAHARASHTRA | 3730 | 45728 | 28978 |
| 25. | MANIPUR | 17 | 192 | 139 |
| 26. | MEGHALAYA | 07 | 201 | 139 |
| 27. | MIZORAM | 27 | 167 | 146 |

| | | | | |
|-----|---------------|--------------|---------------|---------------|
| 28. | NAGALAND | 11 | 117 | 71 |
| 29. | ODISHA | 142 | 1762 | 1194 |
| 30. | PUDUCHERRY | 45 | 386 | 251 |
| 31. | PUNJAB | 227 | 3277 | 2173 |
| 32. | RAJASTHAN | 231 | 3604 | 2367 |
| 33. | SIKKIM | 15 | 130 | 90 |
| 34. | TAMIL NADU | 1976 | 20735 | 12963 |
| 35. | TELANGANA | 530 | 6274 | 3896 |
| 36. | TRIPURA | 04 | 68 | 46 |
| 37. | UTTAR PRADESH | 758 | 11607 | 8190 |
| 38. | UTTARAKHAND | 73 | 1324 | 931 |
| 39. | WEST BENGAL | 216 | 3529 | 2282 |
| | Total | 13812 | 169897 | 109283 |

3. **RENEWAL OF REGISTRATION OF ARCHITECTS:** During the period (01.04.2023 to 31.03.2024) the Council has renewed registration of **29545** architects on **annual basis** and **8239** architects have opted for **one-time renewal**. **8521** architects have **restored** their names to the register of architects upon payment of requisite fees.

4. **ISSUANCE OF NEW CERTIFICATE OF REGISTRATION AND IDENTITY CARDS TO ARCHITECTS HAVING VALID REGISTRATION:**

During the year under report the Council has issued new Certificates of Registration and Identity cards free of cost, to new registrants and on surrender of existing Certificates:-

1. Existing Registered Architects : **06506**
2. New Registered Architects : **13812**

5. **BUDGET ESTIMATES FOR THE FINANCIAL YEAR 2023-2024:**

The Executive Committee of Council in its 249th Meeting held on 28th April, 2023 approved the Budget Estimates for the Financial Year 2023-2024 with Recurring Expenditure to the extent of Rs.2633.28 Lacs and Non-recurring Rs.1016.00 Lacs as against the income receivable to the extent of Rs.3649.37 Lacs.

6. **RECOGNITION OF COUNCIL OF ARCHITECTURE EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND TRUST BY INCOME TAX DEPARTMENT, GOVT. OF INDIA:**

The Council has submitted necessary application/ documents to Income Tax Department for recognition of the Council of Architecture Employees Contributory Provident Fund Trust by the Income Tax Department, govt. of India. The approval of the Department is awaited.

7. **APPEAL FILED BY THE COUNCIL AGAINST THE IMPOSITION OF SERVICE TAX ON THE STATUTORY FEES AND CHARGES COLLECTED BY THE COUNCIL OF ARCHITECTURE DURING THE PERIOD FROM 01.07.2012 TO 30.06.2017:**

The Council has filed an appeal bearing no.ST/53090 of 2016-DB dated 15.12.2016 by depositing a sum of Rs.17,36,095/- against demand of Rs.1,73,60,950/- as Service Tax, Education Cess & HSEC and on various services received/rendered, besides interest and penalty u/s 75,76,77 & 78 of The Finance Act, 1994 issued by the Principal Commissioner of Service Tax, Delhi-II. The year wise Service Tax demand is given below :

1. Rs.29,01,463/- for the period 01.07.2012 to 31.03.2013,
2. Rs.58,41,183/- for the period 01.04.2013 to 31.03.2014 and
3. Rs.86,18,304/- for the period 01.04.2014 to 31.03.2015.

Further, Council has also filed another appeal bearing no.ST/5194/2022-CU [DB] dated 01.08.2022 by depositing a sum of Rs.19,03,860 towards the Pre-Deposit (Advance) of Service Tax Demand i.e. 7.5% of total demand raised and mandatory Pre-Deposit u/s 83 of Finance Act,1994. The year wise Service Tax demand is given below :

1. Rs.69,16,284/- for the period 01-4-2015 to 31-03-2016 and
2. Rs.1,84,68,492/- for the period 01-04-2016 to 30-06-2017.

Several Hearings were held before the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal, Principal Bench, New Delhi. **The orders in respect of abovementioned appeal cases are reserved by the Tribunal.** Final liability, if any, shall be booked at the time of final disposal of Council's reply by the Service Tax Department.

8. **AMENDMENTS IN THE COUNCIL OF ARCHITECTURE EMPLOYEES' RECRUITMENT AND PROMOTION REGULATIONS, 1999:** The Council has submitted a proposal to the Ministry of Education, Govt. of India, for amending the Council of Architecture Employees Recruitment and Promotion Regulations, 1999, for creation of additional posts in the Council to meet the increased workload. The approval of the Ministry is awaited.
9. **ELECTION OF PRESIDENT AND VICE-PRESIDENT, COUNCIL OF ARCHITECTURE:** The Ministry of Education, Govt. of India appointed Shri M.L. Soni, Director, Department of Higher Education, Ministry of Education, Govt. of India, as Returning Officer for conduct of elections. The elections were held on 3rd April, 2023. Prof. Abhay Vinayak Purohit was elected as President and Ar. Gajanand Ram was elected as Vice-President of the Council of Architecture.
10. **APPROVAL OF ARCHITECTURAL INSTITUTIONS FOR THE ACADEMIC SESSION 2023-2024:**

The Council of Architecture during the academic session 2023-24 accorded extension of approval to 379 institutions which are imparting recognized architectural qualifications in the country.

During the year under the report, 8 new institutions were granted approval to impart Bachelor of Architecture Courses and 10 existing institutions were granted approval for introduction of PG courses. The state wise number of institutions are listed below:

| State | No. of Institutions |
|------------------|---------------------|
| Andhra Pradesh | 8 |
| Assam | 2 |
| Bihar | 2 |
| Chhattisgarh | 2 |
| Chandigarh | 1 |
| Delhi | 8 |
| Goa | 1 |
| Gujarat | 22 |
| Himachal Pradesh | 2 |
| Haryana | 14 |
| Jharkhand | 1 |
| Jammu & Kashmir | 4 |
| Karnataka | 43 |
| Kerala | 32 |
| Maharashtra | 83 |
| Meghalaya | 1 |
| Madhya Pradesh | 14 |
| Mizoram | 1 |
| Odisha | 7 |
| Punjab | 14 |
| Puducherry | 1 |
| Rajasthan | 12 |
| Tamil Nadu | 58 |
| Telangana | 13 |

| State | No. of Institutions |
|---------------|---------------------|
| Uttarakhand | 3 |
| Uttar Pradesh | 22 |
| West Bengal | 8 |
| Total | 379 |

Further, 39 institutions were directed to close down during the academic session 2023-2024 owing to non-filling up of less than 30% seats in B.Arch. course in last three years or non-submission of application for approval to the Council.

- 11. GRANT OF APPROVAL TO THREE YEAR DIPLOMA COURSE(S) IN ARCHITECTURAL ASSISTANTSHIP:** During the academic session 2023-2024, the Council has granted approval to 16 new Diploma Institutions and extension of approval to 80 Institutions for imparting 3 Year Diploma in Architecture/Architectural Assistantship and Diploma in Interior Design. Further, the Council has granted approval to 40 existing B.Arch. Institutions for introduction of 3 Year Diploma in Architecture/Architectural Assistantship and Diploma in Interior Design.

- 12. CONDUCT OF NATIONAL APTITUDE TEST IN ARCHITECTURE FOR ADMISSION TO FIRST YEAR OF FIVE YEAR B.ARCH. DEGREE COURSE FOR THE ACADEMIC SESSION 2023-2024:**

The Council is conducting National Aptitude Test in Architecture (NATA) every year as a single window examination for admission to first year of 5-year B.Arch. Course. The NATA 2023 was conducted Four times in 2023. First Test was conducted on 21.04.2023, Second Test was held on 03.06.2023, Third test was held on 09.07.2023 and Fourth test was held on 17.09.2023. A total of 29539 unique candidates registered for the test and 22234 candidates appeared in the test. Out of the total appeared candidates, 21003 unique candidates qualified the NATA Test.

- 13. REGISTRATION OF FIR UNDER RELEVANT PROVISIONS OF IPC AGAINST MR. OM MUKUNDRAO NAGARKAR :** The Council received an application dated 13.12.2020 from Mr. Om Mukundrao Nagarkar with all the required documents (self-attested) and accordingly Registration No.CA/2020/126097 was granted to him and system generated intimation through email about grant of registration was also sent to Mr. Om Nagarkar on 22.12.2020.

On 29th December 2020, Registrar, COA, received a complaint from Ar. Arshad Shaikh, Chairman, IIA, Ahmednagar Centre against Mr.Om Mukundrao Nagarkar, stating that he had done two years post metric Diploma in interior from one autonomous institute in Ahmednagar in 2006. Since then, he is practicing as interior designer in Ahmednagar. It was also informed that Mr.Om Mukundrao Nagarkar hasn't undergone architectural education in any College of Architecture and is not eligible for registration as an architect.

The Certificate of Registration was withheld by the Council and Mr.Om Mukundrao Nagarkar was asked to submit the original documents to Council for verification. However, no information was submitted by him. The Council forwarded the documents submitted by Mr. Om Nagarkar to the Registrar, Shivaji University, Kolhapur, requesting them to verify the candidature and authenticity of documents submitted by him. The Council also forwarded the documents to the Principal, Shri V.B.Patil Trust's Appasaheb Birnale College of Architecture, Sangli, Maharashtra, for their verification. Principal, Shri V.B.Patil Trust's Appasaheb Birnale College of Architecture, Sangli has informed the Council vide letter dated 27.03.2021 that Mr.Om Mukundrao Nagarkar is not a bonafide student of Shivaji University, Kolhapur.

The Council decided to file FIR at Lodhi Colony Police Station, New Delhi, against Mr. Om Nagarkar as he has obtained registration from the Council by fraud, misrepresentation and by suppression of material facts to a statutory authority of Government of India by submission of self-attested copies of fake/sham documents. However, in spite of repeated requests of Council, the SHO Lodhi Colony Police Station refused to register FIR in the matter. The Council filed an application under section 156(3) of Cr. P.C before competent Court for issuing direction for registration of FIR against Mr. Om Mukundrao Nagarkar. The Hon'ble Metropolitan Magistrate Saket Court, New Delhi, vide order dated 06.02.2023 directed the S.H.O. Lodhi Colony, Police Station, to register FIR under the relevant provisions of law within five weeks from the date of order. Further, action is being taken in the matter.

- 14. ACTION AGAINST SH. HARRISH K. BAJAJ FOR DEFAMING AND ABUSING MEMBERS AND OFFICERS OF THE CENTRAL GOVERNMENT AND COUNCIL OF ARCHITECTURE:** The Council members, officers of Central Government and Council were receiving emails and RTI applications using abusive and unparliamentary language from Sh. Harrish K. Bajaj. He was also issued legal notice by Council's advocate to desist from making such unparliamentary and defamatory communication. However, Sh. Harrish K. Bajaj did not stop from his illegal activities. The Council lodged a complaint in the matter with the Commissioner of Police and SHO, Lodhi Colony Police Station to register an FIR in the matter against Sh. Harrish K. Bajaj. However, no action was taken against him by Delhi Police. The Council filed a suit for injunction and Criminal defamation case against him. The Hon'ble Court has ordered in favour of Council and restrained Sh. Harrish K. Bajaj from visiting office of Council or sending any defamatory communication to Council members and officers of the Ministry and Council.
- 15. DESIGN IDEAS COMPETITION OF NHAI FOR DESIGN/ BEAUTIFICATION OF BOUNDARY OF WALLS OF ALL NATIONAL HIGHWAYS:** The National Highways Authority of India has announced an Ideas Design Competition for Design/ Beautification of Boundary Walls of all National Highways in India. The Competition was conducted by the Council on its "Samarthaya" Portal. The report/ recommendations of the Jury have been sent to the NHAI.
- 16. DESIGN IDEAS COMPETITION OF NHAI, FOR ERECTION OF ICONIC STRUCTURE ON DHAULA KUAN ROAD, NEW DELHI:** The National Highways Authority of India has announced an Ideas Design Competition for Design/ Beautification of Boundary Walls of all National Highways in India. The Competition was conducted by the Council on its "Samarthaya" Portal. The report/ recommendations of the Jury have been sent to the NHAI.
- 17. DESIGN IDEAS COMPETITION FOR "TOILETS" UNDER SWACHH BHARAT MISSION 2.0- URBAN CONDUCTED BY COUNCIL OF ARCHITECTURE ON BEHALF OF MINISTRY OF HOUSING AND URBAN AFFAIRS, GOVT. OF INDIA.**

The Council has successfully conducted the Design Ideas Competition For "Toilets" Under Swachh Bharat Mission 2.0-Urban on behalf of Ministry of Housing and Urban Affairs Govt. of India. The winning entries have been awarded with prize money by the Ministry through Council of Architecture.

- 18. COMMUNICATIONS SENT BY COUNCIL TO VARIOUS STATE GOVERNMENTS/ LOCAL AUTHORITIES AND OTHER AUTHORITIES ON VARIOUS ISSUES :** During the year under report, on receipt of representations from Architects the Council has written to following authorities on issues related to registration of architects to carry on the profession of architecture by local bodies, appointment of non-architects on architectural posts, etc. The details of the same is as under:

| S. No. | Authority | Subject/ Issue |
|--------|--|---|
| 1 | The Chief Secretary, Government of Kerala | Registration/licensing Architects on Online Portal |
| 2 | The Chief Secretary, General Administration Department Government of Gujarat | Registration/licensing Architects on Online Portal |
| 3 | To all Chief Secretaries | Amendment in Recruitment Rules in the office of the Chief Architect, PWD |
| 4 | The Chief Secretary, Government of Himachal Pradesh and Commissioner, Shimla Municipal Corporation | Appointment of Non architect on the Post of PIO, cum Architect Planner, M.C. Shimla |
| 5 | Letter to Hon'ble Chief Minister, State of Telangana | Self-Certification by owners for construction of Building in Telangana State building permission approval |
| 6 | The Embassy of Italy, New Delhi | Non-recognition of registration as an architect for issuance of licence to practice in Italy. |

19. COMMUNICATIONS SENT BY COUNCIL TO VARIOUS GOVT. DEPARTMENT/ UNDERTAKINGS ON SELECTION/ APPOINTMENT OF ARCHITECTS: The Council wrote to several public authorities to appoint architects as per Council of Architecture Competition Guidelines and on payment of fees as prescribed by the Council. During the year under report, the Council has requested following organisations to follow the norms of Council for selection/ appointment of Architects:

1. Haryana State Industrial & Infrastructure Development Corporation Limited
2. NBCC India limited, Chennai and Secretary to Govt. Government of Puducherry
3. Indian Overseas Bank, Regional Office, Varanasi
4. Government of Tamil Nadu
5. Maharashtra Ecotourism Development Board
6. The Chief Secretary Govt. of Maharashtra
7. The Chief Secretary Govt. of Uttar Pradesh
8. Indore Smart City Office, Indore
9. The Chief Secretary Govt. of Haryana
10. Uttar Pradesh State Road Transport Corporation, Lucknow
11. The Chief Secretary, Govt. of Uttarakhand (Uttarakhand Forest Department), Govt. of Uttarakhand
12. Nanded Waghala City Municipal Corporation & Office of the District Collector Vazirabad, Nanded
13. District Collector, Yavatmal and Municipal Council Yavatmal
14. District Collector and Magistrate Collector Office, Hingoli and Nagar Parishad Office
15. Office of the Executive Engineer PWD (R&B) Division, Udhampur
16. Slum Rehabilitation Authority, Pune
17. Karvin Design Consultants, Madurai
18. National Mineral Development Corporation Ltd., Castle Hills, Hyderabad
19. The Chief Secretary Govt. of Maharashtra
20. Himachal Pradesh Public Works Department, Nirman Bhawan, Shimla
21. The Institute of Chartered Accountants of India, New Delhi
22. M/s HLL Infra Tech Services Ltd.
23. The Assistant General Manager State Bank of India, Koti, Hyderabad
24. Govt. of Uttar Pradesh and Agra Development Authority
25. UP Projects Corporation Limited, Govt of Uttar Pradesh
26. The Chief Secretary Govt. of Maharashtra
27. The Executive Engineer, Mumbai Metropolitan Region Development Authority, Mumbai
28. Uttarakhand Payjal Nigam
29. The Chief Secretary Govt. of Rajasthan and Jodhpur Development Authority
30. The Chief Secretary Govt. of Andhra Pradesh
31. The Chief Secretary Govt. of West Bengal
32. Deputy Secretary (NITs/COA/SPAs), Department of Higher Education, Ministry of Education, New Delhi
33. Town and Country Planning Department, Dehradun, Uttarakhand

34. Dholera Industry City Development Limited Gandhi Nagar, Gujarat
35. The Chief Secretary Govt. of West Bengal and National Projects Construction Corporation Limited
36. Aurangabad Housing and Area Development Board, Kalanagar
37. Jharkhand State Building Construction Corporation Ltd
38. NBCC (INDIA) Limited, Lodhi Road, New Delhi
39. Roads and Building Department, Govt. of Telangana,
40. Institute of Town Planners, New Delhi

20. AMENDMENTS TO THE ARCHITECTS ACT, 1972: The Council on 8th July, 2021 submitted a proposal for amendment of Section 37 of the Architects Act, 1972, with the Central Government with an objective to prohibit unqualified and untrained persons from practising architecture. The President, COA, has recently met the Hon'ble Education Minister for taking up the proposed amendments further. Further, the Council in its 79th (Emergent) Meeting also approved proposal for carrying out comprehensive Amendments in the Architects Act, 1972. The amendment would cover the following issues:

- i) Introduction of definition of "Architecture Services" so that these services can be reserved for architects;
- ii) Introduction of Professional Practice Examination to ensure the competencies of architects entering into profession to practice independently;
- iii) Introduction of LL.P. form of organization for providing architectural services by Architects to save architects from personal and professional liability and to have less cumbersome form of organization with a separate legal entity;
- iv) Introduction of two schedules for recognized qualification – one for Undergraduate qualifications and another for postgraduate qualifications, so that qualification for registration as an architect and additional qualifications can be differentiated and PG qualifications can be recognised under the Act;
- v) Introduction of word "India" in the name of Council of Architecture so as to provide a national level identity to Council.
- vi) To maintain "electronic" copies of Register of Architects for safe and economic preservation of large-scale data and to ensure smooth access to all concerned.
- vii) Appointment of only an Architect to architectural posts in Government departments to ensure that public buildings are constructed with fullest professional inputs in most aesthetic and functional manner.
- viii) Introduce prohibition on rendering of architectural services by non-architects.
- ix) Introduction of prohibitory clause on further registration of architects by local bodies so that architects are not compelled to seek registration in and every local body to practice the profession.
- x) Enabling provisions for charging fees by Council on complaints filed for professional misconduct against architects.

21. AMENDMENT IN ELIGIBILITY CRITERIA FOR ADMISSION TO B.ARCH. COURSE FOR THE ACADEMIC SESSION 2023-2024: The Council, with the approval of the Central government amended the eligibility prescribed for admission to B.Arch. Course in Council of Architecture (Minimum Standards of Architectural Education) Regulations, 2020 as under :

4(1) "No candidate shall be admitted to architecture course unless she/he has passed 10+2 or equivalent examination with Physics and Mathematics as compulsory subjects along with either Chemistry or Biology or Technical Vocational subject or Computer Science or information Technology or informatics Practices or Engineering Graphics or Business Studies with at least 45% marks in aggregate or passed 10+3 Diploma Examination with Mathematics as compulsory subject with at least 45% marks in aggregate".

(2) “The Candidate needs to qualify an aptitude test in architecture conducted either by NTA (i.e.JEE or NATA conducted by the Council of Architecture.”

- 22. COMPLAINTS FOR PROFESSIONAL MISCONDUCT:** Sections 22 and 30 of the Architects Act, 1972 mandate the Council to take action against architects for professional misconduct. The Central Government has framed Council of Architecture Rules, 1973 inter alia prescribing procedure to deal with such complaints. During the period under report the Council received 35 new complaints against Architects. In terms of Council of Architecture Rules, 1973, the Disciplinary Committee is constituted by the Central Government, from time to time, by gazette notification to investigate the complaints received against Architects for alleged professional misconduct as referred by the Council. No meetings of the Disciplinary Committee could be held due to a vacancy in the membership of the Committee. The Central Government is in the process of issuing appropriate notification reconstituting Disciplinary Committee.

In terms of provisions of Section 30 of the Act, the Council in its 80th Meeting held on 02.09.2023 after affording opportunity of hearing passed following orders :

1. AR. SUHAS MAHANT, MUMBAI – Suspended from practice as an architect for a period of 6 months.
2. AR. SURENDRA SINGH, GHAZIABAD - Suspended from practice as an architect for a period of 12 months.
- 3.

- 23. COMMITTEE ON RECOGNITION OF FOREIGN QUALIFICATIONS:** In terms of Section 15 of the Architects Act, 1972, the Central Government is empowered to recognize foreign architectural qualifications, upon consultation with the Council of Architecture, for the purposes of the Architects Act, 1972. The Council has constituted a committee to consider the references received from the Central Government and make its report. During the year under report the Council has received 04 new references for consultation with Council on recognition of Foreign Architectural Qualifications under the Architects Act. Further, the Committee met 02 times and considered the cases received from the Central Government and has submitted its report to Full Council.

- 24. COMPLAINTS AGAINST QUACKS MISREPRESENTING AS ARCHITECTS:** Sections 36 and 37 of the Architects Act, 1972 impose prohibition on misuse of title and style of architect and if any person misuses the title and style of architect or misrepresents himself as an architect, he shall attract a fine of Rs.500/- for the same. During the period under report, the Council has received 81 complaints where non-architects violating the provisions of the Architects Act, 1972 and appropriate action has been taken in the matter by the Council.

- 25. SUPPLY OF INFORMATION UNDER THE RTI ACT :** Shri Deepak Kumar, Administrative Officer, is Public Information Officer in the Council and Shri Raj Kumar Oberoi, Registrar, is the First Appellate Authority in the Council in terms of provisions of the RTI Act, 2005. During the period under report, the Council provided information in respect of 108 RTI Applications and dealt with 14 First Appeals as per the RTI Act. The Council has made efforts to disclose maximum information in public domain to reduce the number of RTI Applications and subsequent appeals.

- 26. COURT CASES :** During the period under following new court cases were handled by the Council to uphold the provisions of the Architects Act, 1972 and Regulations framed thereunder :

| S. No. | Name | Court | Issue involved | Current Status |
|--------|--|--------------------------------|---|----------------|
| 1. | Civil Appellate Jurisdiction) SLP(Civil) No. 002230 of 2023 Diary No. 1085 Registrar, Council of Architecture V/s Palak Dixit and ORS. | Supreme Court of India | Late Admission in B.Arch. Course | Disposed |
| 2. | In the matter of Dobariya Mohit Ramnikal V/s | Delhi High Court, New Delhi | Recognition of Foreign PG Architecture Degree Course | Pending |

| | | | | |
|-----|---|--|--|--|
| | Union of India & anr. Writ Petition Civil No. 4100 of 2023 | | | |
| 3. | Writ Petition No.3936 Of 2023 Students Academic Education Society Vs State of Maharashtra And Others | High Court, Bombay | Regarding change of site and starting college in new building. | Disposed |
| 4. | Sohan Lal Saharan Vs. Administrator Chandigarh Administration at the Central Administrative Tribunal, Chandigarh bench OA No. 0060/368/2023 | Central Administrative Tribunal, Chandigarh bench | Denial of promotion to Petitioner | Pending |
| 5. | Harish Bajaj Vs Council of Architecture Complaint case no. __of 2023 & Suit for Permanent and Mandatory Injunction | Saket Court, Delhi | To stop respondent from Abusing Council Members | Next Hearing on 9th July 2024 |
| 6. | Writ Petition No: 13546 of 2023, and W.P. NO.13546 of 2023, Joseph Sriharsha & Mary Indraj Educational Society V/S Union of India and others | High Court, Andhra Pradesh, Amravati | Regarding deemed to be University Status by UGC | Pending |
| 7. | Sal School of Architecture V/s Piyam Jignesh Dave LPA 8052/2023 | Gujarat High Court | Regarding migration to another institution for pursuing B.Arch. course and charging of full fees by previous institution | Pending |
| 8. | Sri Siddi Gyana Sai Akshay, S/O Surya Prakash Vs Woxen University and Others, Writ Petition No.12373 of 2023 | High Court, Hyderabad Telangana | Expelling the Petitioner | Disposed |
| 9. | W.A.No. 150/2023 Inamul Hassan V/s The Council of Architecture, another | High Court, Guwahati, Assam | Regarding Security deposit to Council for running Architecture Course. | Dismissed |
| 10. | W. P. no. 18127 of 2023 Pandit Dwarka Prasad Mishra V/s Council of Architecture | High Court, Madhya Pradesh, Jabalpur | Regarding appointment of Arbitrator for adjudication of disputes between University and Architect | Pending |
| 11. | W. P. NO. 16693/2023 Sharan Desai, V/S The Principal Secretary to Government, Higher Education Department, Bengaluru And Others | High Court, Karnataka, Bangalore | Removal of the Petitioner from the Post of Principal in Vrindavan College, Bengaluru | Pending |
| 12. | Ms. Bhavya Solanki V/s Guru Gobind Singh Indraprastha University and Ors WP (C) 13711 of 2023. | High Court, Delhi at New Delhi | Refusal of I.P. University to allow the petitioner appear in exam | Disposed |

| | | | | |
|-----|--|--|--|---------|
| 13. | Manasaran G Vs Union of India and Others WP(C) No. 43682 of Year 2023 | High Court, Kerala | Eligibility for admission to B.Arch. course | Pending |
| 14. | W.P. No. 27908 of 2023 (S-RES) Sharan Desai, M. Arch, USA V/s. The Principal Secretary to Government, Higher Education Department, Bengaluru and Others. | High Court, Karnataka, Bangalore | Challenging the decision of the State Government upholding removal of the petitioner from the post of Principal. | Pending |

With the above a total of about 80 cases, including criminal complaints filed by the Council for violation of Architects Act, 1972, are pending in various courts of law.

27. **LAYING DOWN CRITERIA FOR NOMINATION OF A MEMBER OF THE COUNCIL UNDER SECTION 3(3)(f) OF THE ARCHITECTS ACT, 1972 :** The Hon'ble Karnataka High Court in Writ Petition No.16114 of 2021 vide its order dated 08.01.2023 at para16 (iii) as ordered as under: -

“The Union of India shall take steps to notify certain criteria for nomination of Members of the Council qua the qualification and experience under the Rules, which would become binding on every State Government as expeditiously as possible.”

The Council has also submitted its suggestions to the Ministry in the matter and appropriate amendments in Council of Architecture Rules, 1973 are awaited.

28. **INTRODUCTION OF SUBJECT OF CLIMATE CHANGE IN THE B.ARCH. COURSE:** In order to address issues related to Climate Change in the context of Architectural education, the President, Council of Architecture constituted a Sub-Committee consisting of Ar. Vishal Vyas as Convenor, Prof. Prasad Vaidya, Member, Prof. Ashok B. Lall, Member, Ar. Sandeep Shikre, Prof. Hina Zia, Member, Prof. Rajiv Mishra, member, Dr. Vijaylakshmi Iyer, member, Dr. Anand Achari, Member, Prof. Suresh Murthy, member, Ar. Swati Puchalpalli, member, to assist the Council of Architecture to suggest appropriate changes to the curriculum in Architectural Institutions.

The recommendations made by the Committee have been approved and all architectural institutions have been directed to include the subject of Climate Change in their Course curriculum.

29. **MEMORANDUM OF UNDERSTANDING WITH VARIOUS DEPARTMENTS/ ORGANISATIONS:** In order to further the objectives of the Architects Act, 1972, the Council has entered into MOUs with BEE, GRIHA, IPA, IGBC, SEPC, DEPWD etc. During the year under report the Council also entered MOU with Alliance for an Energy Efficient Economy (AEEE), New Delhi on 20.05.2023 for promotion of energy efficiency methods and techniques by Architects and also with Centre for Green Building Materials and Technology (CGBMT) on 03.08.2023 to disseminate knowledge related with sustainable sector amongst Architects and other stakeholders.

30. **MUTUAL RECOGNITION AGREEMENTS FOR RECOGNITION INDIAN ARCHITECTURAL QUALIFICATIONS BY FOREIGN AUTHORITIES:** The Council is in active correspondence with authorities of UK, Australia and US for recognition of Indian Architectural qualifications abroad with the assistance and support of Ministry of Commerce and Industry, Govt. of India.

The Executive Committee of Council held an online meeting with Architects Registration Board (ARB), UK on 02.06.2023. Further, a delegation of Indian Architects held a meeting with ARB in London on 27.06.2023 during their visit for London Design Week. Norms and requirements of India and UK for architects are being examined for continuing further dialogue in the matter.

31. **EQUIVALENCE OF FOREIGN PG QUALIFICATIONS IN ARCHITECTURE FOR EMPLOYMENT IN INDIA:**

The Council receives numerous representations and public grievance from architects who have completed their Postgraduate Qualifications in Architecture from abroad about non-recognition/ equivalence of their qualifications with Master's Degree in Architecture in India. The matter was also discussed with the officials of the Ministry and the Ministry desired that a scheme be prepared for grant of equivalence based on some pre-

determined parameters including conduct of examination for grant of equivalence to Foreign PG qualifications in India so that the concerned architects can avail the benefits of their higher qualifications.

Accordingly, a Sub-committee under the Convenorship of Dr. Vandana Sehgal and Dr. Minakshi Jain, Member, Dr. Kavita D. Rao, Special Invitee, Dr. P.S.N.Rao, Special Invitee and Dr. A. Srivatsan, Special Invitee, was constituted to prepare the scheme and mechanism for grant of equivalence to Foreign PG Qualifications in Architecture with Indian Master's Degree Course in Architecture by the Council. The Committee after taking serious note of the issue has proposed an automated process for facilitating Equivalence of Master's Degree in Architecture which is easily accessible, time bound, single window, fair and objective for making application for equivalence on the COA website. The Council in its 79th Meeting held on 12th March, 2023, approved the Foreign PG qualification Scheme and the same was submitted to the Ministry of Education for according their approval for implementation. The approval of the Ministry is awaited.

- 32. COLLECTION OF GST ON SERVICES PROVIDED BY ARCHITECTS:** After receipt of several representations, from Architects, the Council has requested the Hon'ble Finance Minister, Govt. of India, that collection of GST on Architectural Services should be made responsibility of Client instead of Architects. Appropriate action from the Ministry of Finance is awaited.
- 33. MEMORANDUM OF UNDERSTANDING ON UNIVERSAL ACCESSIBILITY:** In order to further the objectives of the Architects Act, 1972, the Council has entered into MOU with Department of Empowerment of Persons with Disabilities, Ministry of Social Justice and Empowerment, Govt. of India, inter alia for preparing a Manual on Universal Accessibility and conduct of training of Architects / Universal Accessibility Auditors, incorporating Universal Accessibility as a core subject in the course curriculum of Architecture course as all levels.
- 34. GRANT OF AWARDS TO ARCHITECTURAL STUDENTS BY THE COUNCIL:** In order to promote research and innovation in architecture the Council is granting awards to meritorious students and colleges nominating winning student entries every year in following categories:

A) COA Awards for Excellence in Architectural Thesis 2023 and JK AYA Best Architecture Student of the Year 2023

At each Zonal Event (In two categories):

Category A. Architectural Project

1. To the author of the best thesis project, (selected for the Final Jury) - Rs 15,000/- + Certificate each
2. To the authors of the next Four thesis projects - Rs 10,000/- + Certificate each

Category B. Project addressing concerns within the society

1. To the author of the best thesis project, (selected for the Final Jury) - Rs 15,000/- + Certificate each
2. To the authors of the next Four thesis projects - Rs 10,000/- + Certificate each

At the National Event:

Category A. Architectural Project

1. To the authors of the best Two thesis projects - Rs. 1,00,000/- + Certificate each
2. To the authors of the next Three thesis projects - Rs. 25,000/- + Certificate each

Category B. Project addressing concerns within the society

1. To the authors of the best Two thesis projects - Rs. 1,00,000/- + Certificate each
2. To the authors of the next Three thesis projects - Rs. 25,000/- + Certificate each

Research Grant to be given to the 4 colleges nominating winning entries (two in each Category) at the final jury: Rs. 1,50,000/- each.

At the National Event:

1. To the author of the thesis project selected for JK AYA Best Architecture Student of the Year Award 2023: Rs. 25,000/-, Trophy and citation. (by J.K.Cement Ltd.)

B) COA Awards for Excellence in Post Graduate Thesis in Architecture 2023:

1. The author of the best three thesis projects - Rs. 1,00,000/- + Certificate each.
 2. To the author of the three runners up thesis projects - Rs. 25,000/- + Certificate each.
- Research Grant to be given to the 3 colleges nominating winning entries at the final jury: Rs. 1,50,000/- each.

C) COA Students Awards for Excellence in Documentation of Architectural Heritage 2023: (three categories)

1. Winners at the Zonal Level (Total 6 Nos. in each zone, 2 in each category) Rs.15,000/- + Certificate each
 2. Winners at the National Jury (Total 3 Nos., 1 in each category) Rs.1,00,000/- + Certificate each
 3. Citation at the National Jury (Total 6 Nos., 2 in each category) Rs.25,000/- + Certificate each.
- Research Grant to be given to the 3 colleges nominating winning entries (one in each Category) at the final jury: Rs. 1,50,000/- each.

35. TRAINING PROGRAMMES UNDERTAKEN AT TRC PUNE & BHOPAL : TRC's Pune conducted one offline and 35 online training programmes for teachers and professional architects in Pune and other cities during the last year. These programmes were attended by 1561 participants from across the country. The details of the programmes are as follows:

1. Teachers Training Programme at COA TRC Pune:

| Sr. No. | Details of Training Programmes | Name of Coordinator | Dates | No. of Part. |
|---------|---|---------------------|---|--------------|
| 1. | Crossing the First Milestone in Research: Tips and Techniques for a thorough Literature Review and Formulating Research Topic in the areas of Architecture, Urban Planning, and Urban Design | Aruna Sri Reddi | 17 th to 21 st April 2023 | 53 |
| 2. | Teaching - Learning and application of History for Architects | N.S. Rathore | 17 th to 21 st April 2023 | 65 |
| 3. | Traditional Indian Architectural Knowledge Systems | Ashwini Pethe | 8 th to 12 th May 2023 | 45 |
| 4. | Qualitative Research | Abhijit Natu | 29 th May to 2 nd June 2023 | 53 |
| 5. | Incorporating Cultural Heritage in Architectural Curriculum and Pedagogy | Debalina Ghosh | 29 th May to 2 nd June 2023 | 29 |
| 6. | Writing Architecture: A critical conscious understanding of using architectural writings in research papers, articles and in exploring innovative allied interdisciplinary fields of Architecture | Vedvati Datar | 5 th June to 9 th June 2023 | 48 |
| 7. | Urban India 2047: Shaping the Future of Indian Cities | Asmita Yadav | 19 th to 23 rd June 2023 | 58 |
| 8. | Towards an Impact Driven Architectural Curriculum | Radhika Nagpal | 3 rd to 7 th July 2023 | 26 |
| 9. | Interpretations of SDGs in Architecture & Design Studies | Dhiraj Salhotra | 17 th to 21 st July 2023 | 48 |
| 10. | Empathy Building Mental Health Workshop | Suha Khopatkar | 24 th to 28 th July 2023 | 30 |
| 11. | Connotation of Research in Architecture Journalism: Procedures in Academics and Professional Practice | Jagbir Singh | 31 st July 2023 to 4 th August 2023 | 34 |
| 12. | "Fostering Quality Architectural Education: Academic Planning, Implementation of learning & Academic Documentation | Tanaya Verma | 7 th to 11 th August 2023 | 101 |
| 13. | Water and its role in designing the built environment | Pooja Ugrani | 7 th to 11 th August 2023 | 39 |

| | | | | |
|--------------|--|-------------------------|---|-------------|
| 14. | Urban Commons-Opportunities & Approaches | Shanthala V. | 11 th to 15 th September 2023 | 29 |
| 15. | Aesthetics and Visual language: Research and Design Pedagogy in Architecture | Kaivan Mehta | 12 th to 16 th September 2023 | 60 |
| 16. | Universal Accessibility Training | Jayashree Deshpande | 12 th to 23 rd September 2023 | 49 |
| 17. | Understanding Undergraduate Architectural Thesis | Anjali Cheriath | 9 th to 13 th October 2023 | 40 |
| 18. | Interdisciplinary Research and Practice in Architecture | Mamatha Raj | 30 th October to 3 rd November 2023 | 25 |
| 19. | Synthesis of Diagrams and Representation in Architectural Design | Thushara G. Nair | 30 th October to 3 rd November 2023 | 47 |
| 20. | Architecture Curriculum and Pedagogy Post NEP 2020 | Shaila Bantanur | 20 th to 24 th November 2023 | 54 |
| 21. | Integrating water sensitivity in Architectural Education | Anil Ravindranathan | 20 th to 24 th November 2023 | 24 |
| 22. | Design Thinking - From Empathy to Innovation | Bhakti More | 11 th to 15 th December 2023 | 34 |
| 23. | Housing for all and its Future in Sustainable Development | Shalini D. Reddy | 18 th to 22 nd December 2023 | 73 |
| 24. | Rethinking Pedagogy: Exploring the potential of Digital technology | Navara A. | 8 th to 12 th January 2024 | 48 |
| 25. | Generative AI Architectonics: Faculty Empowerment for Tomorrow's Architects | Anurakti Yadav | 8 th to 12 th January 2024 | 44 |
| 26. | Redefining Skyscrapers : Exploring Advanced Systems in Tall Building Design | Parikshit Waghdhare | 15 th to 19 th January 2024 | 41 |
| 27. | Augmenting Living Buildings – <i>Retrofit, Repurpose, Recondition</i> | Kaiwan Mehta | 15 th to 19 th January 2024 | 47 |
| 28. | Ecological Perspective in Architectural Education | Aditi Navgire | 29 th January to 2 nd February 2024 | 54 |
| 29. | Application of AI in Architecture, Design and Research | Shaila Bantanur | 29 th January to 2 nd February 2024 | 46 |
| 30. | Interpretation of SDGs - Landscape and Environmental Studies | Dhiraj Salhotra | 19 th February to 23 rd February 2024 | 41 |
| 31. | Building Environmental Performance Simulation & Assessment | Sailee Gosavi | 19 th February to 23 rd February 2024 | 30 |
| 32. | Research Premise and Research Methodology Design | Rama R. Subramanian | 26 th February to 1 st March 2024 | 42 |
| 33. | Architectural Design Brief – A Preamble to Design Studio and its Evolution | Abhishek Chakraborty | 26 th February to 1 st March 2024 | 31 |
| 34. | Universal Accessibility Training (Conducted Offline at New Delhi) | Jayashree Deshpande | 11 th to 12 th March 2024 | 25 |
| 35. | Application of PLS-SEM in Research | Anurag Varma | 18 th to 22 nd March 2024 | 27 |
| 36. | Sustainable Architecture: Embracing Renewable Energy & Sustainable Practices | Aruna Bhardwaj | 18 th to 22 nd March 2024 | 21 |
| Total | | | | 1561 |

2. Training Programme at COA TRC Bhopal :

1. 08-Day National Level Training Program on Parametric Tools and Computational Design in Architecture from 1st April - 23rd April 2023.
2. FDP on Methodology & Exploration in Architectural and Planning Research from 24th April - 28th April 2023 .
3. National Online Training on Python for Beginners-Level 1 from 6th May 2023 to 28th May 2023.
4. FDP on Urban Environment, Sustainability And Climate Change from 15th May to 19th May 2023.
5. National Online Workshop on UAV Drone for Urban Feature Delineation An Open-Source Procedure from 22nd May to 26th May 2023.
6. FDP on Architecture Urbanism Adapting cities to climate change and Resilience from 29th May to 2nd June 2023.
7. National Conference on Multidisciplinary Aspects of Design; Enhancing the Connections_2023 from 01st June -03rd June 2023.
8. FDP on Learn to Build Interactive Dashboards to Analyse & Present Data Effectively in Architecture and Planning 12 June 2023 - 16 June 2023.
9. National Online FDP on Disaster Management & Urban Resilience from 3rd July 2023 to 7th July 2023.
10. National Online FDP on Current Research and Practices in Architecture and Planning from 10th July to 14th July 2023.
11. National Online FDP on Integrating Simulation Software for Optimal Building and Urban Built Environment from 17th July to 21st July 2023.
12. National Online FDP on Learning from the Architecture studio Implications for Project-Based Pedagogy from 24th July to 28th July 2023.
13. National Online FDP on Urban Ecological Resilience Initiatives for Sustainable Development from 31st July to 4th Aug 2023.
14. National Online Five-Day Teacher Training Program on Pedagogy in Teaching Architectural Graphics and Presentation from 14th Aug 2023 to 18th Aug 2023.
15. National Online FDP on Sustainable Cities & Communities from 21st to 25th August 2023.
16. National Online FDP on Breaking Barriers: Universal Design for Accessibility in the Built Environment from 11th to 15th September 2023.
17. National Online STTP on "Python for Beginners – Level 1" from 18th to 22nd September 2023.
18. National Online FDP on "Building Energy Performance" from 25th to 29th September 2023.
19. National Online STTP on "Data Visualization Tools for Data Analysis & Decision Making: Tableau and Power BI" from 9th to 13th October 2023.
20. National Online FDP on " Manifesting the utilization of software's in architecture" from 30th October to 03rd November 2023.
21. Day National Online FDP on "Research Methods & Techniques in Architecture & Planning" from 8th to 12th January 2024.
22. International conference on "APIC" (Architecture and People International Conference) 2024, from 24 to 25 February, 2024 at Rizvi College of Architecture, Mumbai.
23. National Online STTP on "Python for Beginners – Level 2" from 22nd March to 26th April 2024.

36. **ANTI RAGGING MEASURES IN ARCHITECTURAL INSTITUTIONS:** The Council has adopted the UGC Regulations on Anti-Ragging and all Architectural Institutions have been asked to strictly adhere to the same. During the year under report no incident of Ragging of any student was report by any institution or student to Council. Shri Deepak Kumar, Administrative Officer is Nodal Officer of Council on Anti Ragging.
37. **AMENDMENT IN COA RULES 1973 FOR ENHANCEMENT OF FEE BEING CHARGED BY COUNCIL FROM ARCHITECTS:** The Council in its 72nd Meeting held on 24th and 25th January, 2020, a proposal for revision of fees was submitted with the Ministry of Education, Government of India, on 18th November 2020, for suitably amending the Council of Architecture Rules, 1973 for enhancing the fees being charged from the Architects. The certain clarifications were sought by the Ministry and the same were provided by the Council. The approval of the Ministry is awaited.
38. **INTRODUCTION OF AADHAR BASED AUTHENTICATION OF INDIVIDUALS BY THE COUNCIL:** The Council has decided to introduce Aadhar based authentication as for part of its initiatives for Good Governance. Accordingly, Ministry of Education, Govt. of India, was requested to issue the notification under the Aadhar Rules. The Ministry of Education has issued the required notification in the matter.
39. **APPROVAL OF COUNCIL OF ARCHITECTURE (MINIMUM STANDARDS OF ARCHITECTURAL EDUCATION FOR POSTGRADUATE DEGREE PROGRAMME) REGULATIONS, 2022:** The Council in its 77th Meeting held on July 15, 2022 approved the Council of Architecture (Minimum Standards of Architectural Education for Postgraduate Degree Programme) Regulations, 2022. These regulations have been submitted to the Ministry of Education, Govt. of India, in November, 2022, for according their approval in terms of Section 45 of the Architects Act, 1972. The approval of the Ministry is awaited.
40. **SAMUNNATI STUDENT BIENNALE DECEMBER 2023:** The Ministry of Culture, govt. of India, has organised the event, which is India Art, Architecture & Design Biennale 2023 (IAADB'23), which was held from 9th to 15th December, 2023 at the historic Red Fort at Delhi. As part of the Biennale the Council organised Students Biennale – Samunnati 2023 which was held from 9th to 15th December, 2023 at Lalit Kala Academi, New Delhi. Hon'ble Minister of State for Culture, Smt. Meenakashi Lekhi, inaugurated the programme. *Dr. Nirmaljeet Singh Kalsi, IAS (Retd), Chairman, National Council for Vocational Training*, attended Valedictory function held on 15th December, 2023 and distributed the awards to winners/ participants. About 108 architectural institutions participated in the event. Further, students of several CBSE affiliated Schools also participated in various on the spot competitions held during the 7 days events.
41. **CONDUCT OF INTERNATIONAL CONFERENCE ON “ARCHITECTURE EDUCATION IN CHANGING WORLD” AT VIT VELLORE, CHENNAI ON 15TH, 16TH AND 17TH FEBRUARY, 2024:** The Council conducted an international Conference titled as “COA International Conference – Architecture Education in the Changing World -Reviewing and Rethinking the Way Forward (COA-ICFAE)”, a premier conference dedicated to the dynamic and evolving landscape of Architectural Education, from 15th, 16th and 17th February 2024 at VIT, Vellore, Tamil Nadu. Renowned experts and thought leaders in architectural education conducted engaging sessions on emerging trends, challenges, and innovative approaches in 6 Sub-Themes of architecture education. Selected papers received for the conference will be presented by the authors to contribute to the academic discourse at the conference. This conference provided a unique platform for educators, researchers, and industry professionals to come together, connect and explore the transformative potential of architectural education. With an emphasis on innovation, technology, and interdisciplinary collaboration, COA-ICFAE aimed to inspire new ideas and strategies for shaping the future of architectural education. “Samunnati Vistarrah - Architecture Education in the Changing World” was based on following six broad themes:
- 1) Relevance of Architecture Curriculum to Practice and Research;
 - 2) Role of Regulatory Bodies;
 - 3) Emerging Technologies in Architecture;
 - 4) Contemporary Concerns in Architecture;
 - 5) Innovative Initiatives; and
 - 6) NEP and its implication on Architectural Education.

42. **TRAINING OF TRAINERS IN UNIVERSAL ACCESSIBILITY:** The Council conducted **Training of Trainers in Universal Accessibility as part of MOU between COA and DEPwD.** The program was attended by senior architects and educators across India. The first part consisting of three modules was conducted for 6 days online by experts in the field. The second part comprising of two modules was conducted offline in the Dr. Ambedkar International Centre, New Delhi. A book of Abstracts, containing briefs of the training modules was printed and released at the hands of Km. Pratima Bhowmik, Minister of State of Social Justice and Empowerment. The training program culminated with the award of certificates to successful participants and speakers at the hands of Shri Rajesh Agarwal, Secretary, DEPwD, and Prof. Abhay V. Purohit, President, COA.
43. **PUBLICATIONS:** The Council is publishing Magazine “Architecture Time Space and People” and CANewletter in e-format containing various articles related to Architecture and allied subjects and news and information about the Council and its activities. The Council has purchased following books at concessional rates for distribution to Architectural Institutions for promotion of architectural education and profession:

| S.No. | BOOK TITLE | AUTHOR / PUBLISHER NAME |
|-------|--|---|
| 1. | Journal of Council of Architectural (JCOA) -Heritage and Conservation | Council of Architecture |
| 2. | Just give me some space. | Ar. Suha Riyaz Khopatkar |
| 3. | Let's build with bamboo (vol 1 & vol 2). | Ar. Neelam Manjunath |
| 4. | Archiving Architectural Thesis – 2020. | Council of Architecture |
| 5. | Learning Basic Design. | Prof. Pradnya Chauhan |
| 6. | Form Follows Roots Architecture for India - 1985-2021. | Ar. Surinder Bahga |
| 7. | Architecture: Conceptual to the Manifest - (2012). | Shri Prof. Kulbhushan Jain |
| 8. | Cubist Modernism – The Making, Meaning and Madness of my Architecture. | Ar. Sangeet Sharma |
| 9. | Courtyard Houses of India. | Yatin Pandya |
| 10. | Architectural Inheritance and Evolution in India. | Apurva Bose Dutta |
| 11. | Chandigarh. | Ar. S S Bhati |
| 12. | Architecture: Theory, Practice, Research, and Pedagogy. | Ar. S S Bhati |
| 13. | Sheltering Angle. | Ar. Asha Baste and Late Ar. Prabhakar Baste |

The following books have been printed and distributed to the colleges of architecture in India

- Archiving Architectural Thesis 2022
- Documenting Architectural Heritage 2021
- Re – Imagining Urban Voids
- Cultural Resource Mapping: A Tool for Strengthening the Future

The following books are in printing process and will be distributed shortly:

- Archiving Architectural Thesis 2021
- Documenting Architectural Heritage 2022

The following books are in designing process and being compiled for printing. These will be published and distributed shortly:

- Archiving Architectural Thesis 2023
- Documenting Architectural Heritage 2023
- Archiving Post Graduate Thesis in Architecture

The Book of Proceedings for the COA INTERNATIONAL CONFERENCE on ‘Architecture Education in the Changing World: Reviewing and Rethinking the way forward’ is being compiled and will be published by M/S Taylor and Francis shortly.

44. **ACKNOWLEDGEMENT:** The Council would like to place on record its appreciation and gratitude to the Central Government and its Officers, all State Governments, Union Territories, all Architectural Institutions for extending their cooperation to Council in implementation of the Architects Act, 1972. The Council expresses its gratitude to the office bearers and members of the Council, Experts, Auditors, Advocates, other professional

bodies, practicing architects, academicians and all advertisers for their cooperation, guidance, advice and support for furthering the objectives of the Architects Act, 1972.

The Council would like to thank Hon'ble Shri Nitin Gadkari Ji, Hon'ble Minister of Road Transport and Highways, Govt. of India, Shri Dharmendra Pradhan ji, Hon'ble Minister of Education, Govt. of India and Shri Piyush Goyal, Hon'ble Commerce Minister, Govt. of India, Chairman, Shri Hardeep Puri, Hon'ble Minister of Housing & Urban Affairs, Govt. of India, Km. Pratima Bhowmik, Minister of State of Social Justice and Empowerment, Govt. of India. Parliamentary Standing Committee on Education, for their kind support and guidance to Council from time to time. The Council also expresses its gratitude to its Officers & employees and all those who have rendered useful services to it during the year 2023-24.

Dated : 18.06.2024

R. K. OBEROI, Registrar

REPORT ON THE AUDIT OF THE FINANCIAL STATEMENTS QUALIFIED OPINION

To,

The COUNCIL OF ARCHITECTURE

We have audited the accompanying financial statements of the Council of Architecture ("the Council), which comprise the Balance Sheet as at 31st March 2024, the Statement of Income and Expenditure, the Statement of Receipt & Payment for the year then ended, and notes to the financial statements, including a summary of the significant accounting policies and other explanatory information (herein after referred to as "Financial Statement")

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, except for the effects of the matter described in the Basis for Qualified Opinion section of our report the aforesaid financial statement give the information required by the Council of Architecture Regulation, 1972 (as amended up to date) in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India of the state of affairs of the Council as at 31st March 2024, its surplus and its receipt & payment for the year ended on that date.

Basis for Qualified Opinion

We further draw attention to Note No. 3 the Council has transferred fund from "General Fund/ Surplus / Deficit account" to "House Building Premises Fund". The above fund pertains to the FY:2017-18 for Rs.10.93 Cr and for FY: 2018-19 of Rs 14.26 Cr. As per the provisions of Income taxact 1961 and rules made thereunder, which states that the earmarked funds should be used for the specific purpose only and moreover utilization of the above fund should be made within a period of Five years, from the end of the financial year of creation of the fund. During the current year, the funds for the FY: 2018-19 is not utilized up to the end of financial year, due to which it should be treated as the Taxable Income of the Council and in respect of the fund created in the FY:2017-18, utilization was required to be made on or before 31.03.2023.due to this same should be treatedas taxable income of FY 2022-23, but same is not offered for tax in FY 2022-23. Due to this total income of the Council for current financial year is understated by 25.19 Cr and House Building Premises Fund is overstated by same figure, however the Council is consistently making efforts for utilisation of fund and made application for allowing extension of time for utilisation of fund for FY 2017-18 to Chairman, CBDT, which is yet to be disposed of by income tax department.

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the Council in accordance with the ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements and we have fulfilled our ethical responsibilities in accordance with these requirementsand the Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Responsibilities of Management for the Financial Statements

The Council's Management is responsible for the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance the Council. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding the assets of the Council and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection, application of appropriate accounting policies; making judgements and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, the management is responsible for assessing the Council's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Council or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so. Those charged with governance are also responsible for overseeing the Council's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal controls.
- Obtain an understanding of internal controls relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of the Council's internal controls.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of the management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Council's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Council to cease to continue as a going concern.
- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieve fair presentation.
- We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal controls that we identify during our audit.
- We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

Report on Other Regulatory Requirements

Further, we report that:

- a) We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
- b) In our opinion, proper books of account as required by Architects Act, 1972 have been kept by the Council so far as appears from our examination of those books and proper returns adequate for the purpose of our audit have been received from the branches not visited by us.
- c) The Balance Sheet, the Statement of Income and Expenditure, and the Statement of Receipt and Payment dealt with by this Report are in agreement with the books of accounts.

For B C JAIN & Co.,

Chartered Accountants FRN: 001099C

Sd/-

CA Shyam Ji Gupta Partner

Mem No.416155

UDIN: 24416155BKEDUA4555

Place: New Delhi Date: 09/07/2024

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2024

(Amount – Rs.)

| | Schedule | Current Year | Previous Year |
|---|----------|----------------------|----------------------|
| <u>CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES</u> | | | |
| CAPITAL CONTRIBUTION FROM GOVT.OF INDIA | 1 | 150000.00 | 150000.00 |
| EARMARKED FUNDS | 2 | 1513260089.00 | 1336399626.00 |
| LIABILITIES | 3 | 284024199.00 | 274840148.00 |
| SURPLUS / DEFICIT ACCOUNT | 7 | 490275419.27 | 450394589.97 |
| TOTAL | | 2287709707.27 | 2061784363.97 |
| <u>ASSETS</u> | | | |
| FIXED ASSETS | 4 | 239111356.00 | 240175456.78 |
| INVESTMENTS | 5 | 1902346953.00 | 1689753968.00 |
| CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES | 6 | 146251398.27 | 131854939.19 |
| TOTAL | | 2287709707.27 | 2061784363.97 |
| ACCOUNTING POLICIES & NOTES TO ACCOUNTS | 14 | | |

INCOME & EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED ON 31ST MARCH, 2024

(Amount – Rs.)

| | Schedule | Current Year | Previous Year |
|---|----------|-----------------------|-----------------------|
| <u>INCOME</u> | | | |
| Fees | 8 | 58055887.00 | 50638887.00 |
| Other Income | 9 | 104120791.81 | 108647510.51 |
| Interest Earned | 10 | 107750884.00 | 88568138.84 |
| TOTAL (A) | | 269,927,562.81 | 247,854,536.35 |
| <u>EXPENDITURE</u> | | | |
| Establishment Expenses | 11 | 23773418.00 | 24029122.00 |
| Administrative Expenses | 12 | 15573055.21 | 14728926.61 |
| Expenses related to Promotion of Education & Practice | 13 | 27310117.00 | 25751926.00 |
| Depreciation | 4 | 3390143.30 | 2196892.36 |
| TOTAL (B) | | 70046733.51 | 66706866.97 |
| Balance being excess of Income over Expenditure (A-B) | | 199880829.30 | 181147669.38 |
| Transferred to Surplus and Deficit Account | | 199880829.30 | 181147669.38 |
| ACCOUNTING POLICIES & NOTES TO ACCOUNTS | 14 | | |

RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD ENDED ON 31ST MARCH, 2024

Amount (Rs.)

| | RECEIPTS | Current Year | Previous Year | PAYMENTS | Current Year | Previous Year |
|-------------|---|-----------------------|-----------------------|--|-----------------------|-----------------------|
| I. | Opening Balance | 651,340.00 | 67,440.00 | I. Expenses | 23,773,418.00 | 24,029,122.00 |
| | a) Cash in hand & Drafts | 170,882.00 | 413,206.50 | a) Establishment Expenses (corresponding to Schedule 11) | 15,573,055.21 | 14,728,926.61 |
| | b) Online PG Receipts | 248,905.77 | 752,622.77 | b) Administrative Expenses (corresponding to Schedule 12) | 7,750,905.00 | 2,043,517.00 |
| | c) Bank Balances | 28,994,880.03 | 18,950,954.40 | c) Workshops Exps. -Parityshiv/International Conference/Student Biennale | 5,193,489.00 | 1,990,250.00 |
| | 1) In Current/OD accounts | | | d) Thesis/Heritage Award Programme Expenses | 996,829.00 | 2,503,114.00 |
| | 2) Savings Accounts | | | e) Centre for Excellence, Bengtun - Design Comp./Architects Exps. | 0.00 | 475,000.00 |
| | | | | f) Seed Money / Grant for Urban Studio Research Project | 104,972.00 | 1,707,500.00 |
| | | | | g) Film on Architectural Awareness Exps. | | |
| II. | Funds Received | 60,140,000.00 | 59,800,000.00 | II. Payments made against funds for various Projects | | |
| | a) Evaluation Fees | 50,000.00 | 150,000.00 | a) NATA Expenses | 28,126,768.00 | 23,271,657.00 |
| | b) Charges for Review of Decision | 1,860,000.00 | 455,000.00 | b) Evaluation & Inspection Expenses | 23,771,128.19 | 22,712,185.86 |
| | c) Fine/ Penalty from Institutions | 4,100,000.00 | 5,100,000.00 | c) Arbitration Expenses | 0.00 | 0.00 |
| | d) Charges for Change/Closure of Name/Site of Institution | 0.00 | 32,000.00 | e) Directory of Architect Exps. | 0.00 | 0.00 |
| | e) Arbitration Fee/Administrative Charges | | | d) Publication Expenses | 12,007,196.00 | 242,000.00 |
| III. | Interest Received | 105,592,297.00 | 85,371,606.84 | f) BEB Program Expenses | 4,953,083.00 | 5,111,081.00 |
| | a) On Bank deposits | 879,017.00 | 820,362.00 | g) Conduct of Quality Improvement Programme Expenses | | |
| | b) Loans, Advances etc. | 1,279,570.00 | 2,376,170.00 | III. Other Payments | | |
| | c) On Savings Bank Account | | | a) TDS deducted by the Bank/Companies | 10,805,201.00 | 8,705,123.00 |
| IV. | Fee Income | 8,554,800.00 | 8,050,200.00 | b) Advances to Staff | 3,258,400.00 | 1,946,600.00 |
| | a) Registration Fee | 11,469,000.00 | 10,719,100.00 | c) Other Advances | 1,770,596.00 | 3,239,959.00 |
| | b) Renewal Fee | 8,514,000.00 | 6,253,000.00 | d) Appointment of One Time Renewal Fees | 11,843,537.00 | 11,125,937.00 |
| | c) Restoration Fee | 207,600.00 | 186,000.00 | e) NATA Fee Advance | 14,830,150.00 | 0.00 |
| | d) Duplicate Certificate Fee | 17,240,750.00 | 14,304,650.00 | f) Evaluation Fees Advance | 53,210,000.00 | 56,700,000.00 |
| | e) Fine from Architects | 11,843,537.00 | 11,125,937.00 | g) Amount receivable / Payable | 5,110,859.00 | 16,400,623.00 |
| | f) Apportionment of One Time Renewal Fees | 226,200.00 | 0.00 | b) Bank Interest Accrued for the Year | 13,157,558.00 | 10,562,724.00 |
| | g) Architects Identity Card Fee | | | d) Interest Accrued on Staff Advance | 879,017.00 | 830,362.00 |
| V. | Other Income | | | j) Prepaid Expenses for NATA Examination | 2,456,772.00 | 2,250,980.00 |
| | a) Income from Publications | 10,373,988.00 | 4,522,373.00 | k) Security deposits from Existing Architectural Institutions | 7,500,000.00 | 0.00 |
| | b) RTI Fees | 220.00 | 440.00 | l) Security deposits from New Architectural Institutions | 0.00 | 0.00 |
| | c) NATA Fees | 73,443,200.00 | 79,344,400.00 | IV. Expenditure on Fixed Assets & Capital Work-in-Progress | | |
| | d) Student Biennale/International Conference-Sponsorship | 4,369,437.00 | 840.37 | a) Purchase of Fixed Assets | 5,868,649.00 | 8,102,904.00 |
| | e) Misc. Income | 26,700.00 | 4,204,300.00 | V. Investments and deposits made | | |
| | f) Participation Fees for Quality Improvement Programmes | 4,351,500.00 | 1,000,000.00 | a) Out of Earned/Endowment funds | 355,434,206.00 | 590,025,457.00 |
| | g) Thesis Award Programme - Sponsorship | 1,000,000.00 | 26,557,500.00 | b) Out of Security Deposit Received from Architectural Institution | 7,500,000.00 | 7,500,000.00 |
| VI. | Other Receipts | | | VI. Closing Balance | | |
| | a) One Time Renewal Fee | 28,704,000.00 | 432,471,780.00 | a) Cash in hand & Drafts | 7,520.00 | 651,340.00 |
| | b) FDR's Matured during the Year | 150,341,221.00 | 2,480,907.00 | b) Bank Balances | 2,626,442.77 | 248,905.77 |
| | c) Advances Recovered from Staff | 3,126,960.00 | 1,898,848.00 | 1) In Current/OD accounts | 18,571,799.11 | 28,994,880.03 |
| | d) Other Advances Recovered | 3,228,125.00 | 3,852,677.53 | 2) Savings Accounts | 0.00 | 170,882.00 |
| | e) Interest adjusted agst. Interest Accrued | 2,686,334.00 | 1,368,028.86 | 3) Online PG Receipts | | |
| | f) Taxe/ Amount/Postage payable | 4,722,836.48 | 14,830,150.00 | | | |
| | g) NATA Fees Advance | 31,037,250.00 | 53,210,000.00 | | | |
| | h) Evaluation Fees Advance | 42,647,000.00 | 7,500,000.00 | | | |
| | i) Security deposits from New Architectural Institutions | 15,000,000.00 | 22,000.00 | | | |
| | j) BEB Sponsorship/Administrative Charges | 0.00 | 0.00 | | | |
| | TOTAL | 637,081,550.28 | 858,192,494.27 | TOTAL | 637,081,550.28 | 858,192,494.27 |

P. RAJESH, Scientist G & DDG (ITS, PRT & TNM)

[ADVT.-III/4/Exty./457/2024-25]